RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 08 | अक्टूबर 2025 | मासिक | पृष्ठ : 48 | मूल्य : ₹ 50

SHANTI
GOLD
International Ltd.
Be Unique,
Be Special,
Be Pretty
9819514517
Andheri East
order@shantigold.in
www.shantigold.in

ace TECH 2025 MUMBAI
06 07 08 09 NOV'25
HALL 1 STALL NO.B1-2
BOMBAY EXHIBITION CENTRE, GOREGAON

GM
SWITCH TO A BETTER WORLD

CARRY CONVENIENCE WHEREVER YOU GO

Globally Compatible

Type-C Cable Included

Ideal for Laptop Charging

TravelEase Lite
45W Universal Travel Adapter

BUY NOW ON
amazon

The **G+ TravelEase Lite 45W Universal Travel Adapter** is your perfect travel companion, powering laptops, phones, and tablets at once with fast Type-C and Type-A ports. Designed for 150+ countries, its compact and lightweight build slips easily into any bag, while built-in surge, overheat, and short-circuit protection ensures safe charging wherever the journey takes you.

Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances

www.gmmodular.com info@gmmodular.com

गोल्ड और सिल्वर की नई उंचाई के बीच जीजेएस एग्जिबिशन से बाजार को सहारा

भारत में गोल्ड और सिल्वर सदियों से न केवल आभूषणों की शोभा रहे हैं, बल्कि आमजन के लिए सुरक्षित निवेश का प्रमुख साधन भी रहे हैं। समय बदलता गया, लेकिन इनकी महत्ता में कोई कमी नहीं आई। आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता से गुजर रही है, तब गोल्ड और सिल्वर दोनों ही निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। 'आभूषण टाइम्स' बाजार पर नजर रखता रहा है, अतः हम देख रहे हैं कि हाल के दिनों में जिस तरह इन दोनों मेटल्स की कीमतों में लगातार वृद्धि दर्ज हो रही है, उसने ज्वेलरी बाजार को और भी सक्रिय बना दिया है। इसके साथ ही हाल ही में संपन्न जीजेएस जैसी महत्वपूर्ण ज्वेलरी एग्जिबिशन भी इस बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। आइए, 'आभूषण टाइम्स' के इस अंक में इस बार इन तीनों प्रमुख बिंदुओं के आधार पर इस बदलते परिदृश्य को समझें।

गोल्ड महंगा होता जा रहा है, लेकिन 1 लाख 15 हजार के पार भी गोल्ड की ग्राहकी में कोई कमी नहीं दिखाई देती। भारत जैसे देश में गोल्ड केवल आभूषण या शोभा का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और सुरक्षित निवेश का पर्याय भी है। यही कारण है कि कीमतें चाहे कितनी भी ऊंची हों, ग्राहकों की खरीदारी का रुझान बना रहता है। आने वाले दिनों में गोल्ड और महंगा होने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि दुनिया भर के देश अपने-अपने केंद्रीय बैंकों के जरिए गोल्ड की लगातार खरीदारी कर रहे हैं। डॉलर और अन्य करेंसियों की अस्थिरता के बीच गोल्ड ही एक ऐसा सुरक्षित विकल्प है, जो किसी भी संकट में स्थिरता प्रदान करता है। 'आभूषण टाइम्स' की मान्यता है कि यही वजह है कि गोल्ड आज भी पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में सबसे अहम भूमिका निभा रहा है।

गोल्ड के साथ-साथ सिल्वर भी तेजी की राह पर है। दरअसल, सिल्वर की उपयोगिता केवल ज्वेलरी तक सीमित नहीं है। आधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, मेडिकल उपकरण और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में सिल्वर की मांग तेजी से बढ़ रही है। खपत लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके मुकाबले खनन की गति अपेक्षाकृत धीमी है। यही असंतुलन बाजार में सिल्वर के दामों को लगातार ऊपर धकेल रहा है। इंटरनेशनल मार्केट में भी सिल्वर की कीमतें चढ़ रही हैं। 'आभूषण टाइम्स' का मानना है कि आने वाले समय में यह सिलसिला थमेगा नहीं, बल्कि और गति पकड़ेगा। गोल्ड की तरह ही सिल्वर भी निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। भारत में परंपरागत रूप से सिल्वर का उपयोग होता रहा है, लेकिन अब इसके औद्योगिक उपयोगों ने इसे और भी बहुमूल्य बना दिया है। गोल्ड और सिल्वर की बढ़ती कीमतों और ग्राहकी के बीच 'आभूषण टाइम्स' का पक्का भरोसा है कि ज्वेलरी एग्जिबिशन भी इस ज्वेलरी इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयां दे रहे हैं। हाल ही में मुंबई के जियो इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल द्वारा आयोजित, जीजेएस ज्वेलरी शो इसकी ताजा मिसाल है। गोल्ड के 1 लाख 15 हजार प्रति 10 ग्राम के रेट, तथा सिल्वर के 1 लाख 30 हजार प्रति किलो के रेट्स के बीच भी इस शो को मिली सफलता ने यह साबित कर दिया कि ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल ज्वेलरी कारोबारियों और डिजाइनरों के लिए बिजनेस डेवलपमेंट के महत्वपूर्ण मंच हैं, बल्कि बाजार की दिशा और दशा तय करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। हमारा अपना शो के नाम से मशहूर जीजेएस में 'आभूषण टाइम्स' जीजेसी ने को सम्मानित करते हुए यह साबित कियटा है कि ज्वेलरी के इन एग्जिबिशन का असर केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लाभ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखने को मिलता है। यहां पर ट्रेडर्स, निवेशक, डिजाइनर और ग्राहक एक साथ जुड़ते हैं। नई डिजाइनें, आधुनिक तकनीक और ट्रेडिंग के नए अवसर इस मंच पर सामने आते हैं, जिससे पूरे उद्योग को बढ़ावा मिलता है। गोल्ड, सिल्वर और डायमंड का बिजनेस इन एग्जिबिशन के कारण वैश्विक स्तर पर मजबूती से खड़ा है।

'आभूषण टाइम्स' गोल्ड और सिल्वर की बढ़ती कीमतों पर हमेशा से नजर रखता रहा है, तथा सकारात्मक टिप्पणियां करता रहा है। इन बढ़ती कीमतों ने जहां निवेशकों और ग्राहकों का ध्यान खींचा है, वहीं जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन ने इस व्यवसाय को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक की भूमिका निभा रही है। यह सच है कि आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर दोनों की कीमतें और बढ़ेंगी, लेकिन ग्राहकी पर इसका बहुत कम असर पड़ेगा। भारत जैसे देश में ज्वेलरी केवल विलासिता नहीं, बल्कि हमारी परंपरागत संस्कृति और जीवन का हिस्सा हैं।

ज्वेलरी उद्योग के लिए यह समय चुनौती और अवसर दोनों मानते हुए 'आभूषण टाइम्स' का यही कहना है कि जहां बढ़ती कीमतें ज्वेलरी के कारोबारियों और उनके ग्राहकों को सोचने पर मजबूर करती हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय एग्जिबिशन और नए अवसर इस उद्योग को और मजबूती देते हैं। यही कारण है कि गोल्ड-सिल्वर का यह चमकता कारोबार आने वाले समय में और अधिक प्रगति करने को तैयार है और 'आभूषण टाइम्स' इस प्रगति के हर सफर में आपके साथ है।

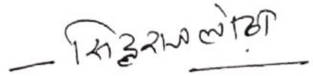

"हाल ही में मुंबई के जियो इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल द्वारा आयोजित, जीजेएस ज्वेलरी शो इसकी ताजा मिसाल है। गोल्ड के 1 लाख 15 हजार प्रति 10 ग्राम के रेट, तथा सिल्वर के 1 लाख 30 हजार प्रति किलो के रेट्स के बीच भी इस शो को मिली सफलता ने यह साबित कर दिया कि ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल ज्वेलरी कारोबारियों और डिजाइनरों के लिए बिजनेस डेवलपमेंट के महत्वपूर्ण मंच हैं, बल्कि बाजार की दिशा और दशा तय करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।"

सिद्धराज लोढ़ा

YOU NAME IT,
WE HAVE IT !

15+ COLLECTIONS
10,000+ DESIGNS
INDIA'S LEADING MANGALSUTRA MANUFACTURER

Let's bring the finest Mangalsutra designs to your store.

Shringar ©
HOUSE OF MANGALSUTRA

FOLLOW US
@SHRINGARMANGALSUTRA

SHRINGAR HOUSE OF MANGALSUTRA LIMITED

Head Office: B1, Jewel World, Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002. Tel - 022-43111222

Delhi Office: Shop No. 301/302, 3rd Floor, Building No. 1149, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi 110006. Tel - 011 - 46526696 Int. 6696

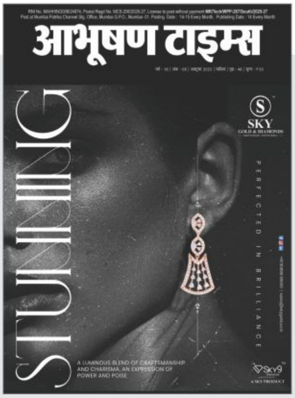

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्षः 18 | अंकः 08 | अक्टूबर 2025

04 **गोल्ड और सिल्वर की नई उंचाई के बीच जीजेएस एग्जिबिशन से बाजार को सहारा**

08 **जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन असली गेमचेंजर**
महंगे गोल्ड व सिल्वर के बावजूद बाजार को मजबूती देने में सफल

14 **गोल्ड में और बढ़ोतरी तय**
इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की डिमांड में लगातार इजाफा

16 **5 साल में कहां पहुंचेगी सोने की कीमत?**
एक्सपर्ट ने कर दी भविष्यवाणी

18 **यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड ने यूनिगोल्ड 18 कैरेट की ज्वेलरी लॉन्च के साथ एक नए युग की शुरूआत की**

22 **सोने की बिक्री बढ़ाने के लिए आभूषण निर्माता दे रहे छूट**

24 **सिल्वर में बहार**
अभी तो बहुत बढ़ेगी चांदी की चमक

27 **सोने की कीमतें पहुंच सकती हैं 6,600 डॉलर तक:वुड**

30 **पाकिस्तान से 14 गुना ज्यादा सोना है भारत के पास**

33 **चांदी ने 10 साल में दिया अच्छा रिटर्न**
कीमतों में 59.3 प्रतिशत का उछाल

43 **सोने-चांदी में रिकॉर्ड रिटर्न**
पहली छमाही में सोने में 29.5 फीसदी व चांदी में 43.1 फीसदी का रिटर्न मिला

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दूसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU

Where craftsmanship meets perfection

For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

LAXMI IMPERIAL PVT LTD

A leading manufacturer of closed setting diamond jewellery

www.laxmidiamonds.com

जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन असली गेमचेंजर

महंगे गोल्ड व सिल्वर के बावजूद बाजार को मजबूती देने में सफल

राकेश लोढ़ा

ज्वेलरी इंडस्ट्री भारत की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। गोल्ड-सिल्वर और डायमंड न केवल ज्वेलरी की शोभा बढ़ाते हैं, बल्कि निवेश और परंपरा के भी मजबूत स्तंभ हैं। किंतु तेजी से बदलते बाजार में केवल गोल्ड व सिल्वर की कीमतें और परंपरागत मांग ही इंडस्ट्री को दिशा नहीं दे सकतीं। इसके लिए नए मंचों और अवसरों की आवश्यकता होती है। इसी क्रम में ज्वेलरी एग्जिबिशन इंडस्ट्री के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हो रहे हैं। हाल ही में मुंबई के जियो इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हमारा अपना शो के नाम से मशहूर 'जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन' इसका ताजा उदाहरण है। जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन ने यह साबित कर दिया कि ऐसे ज्वेलरी शो न केवल कारोबार को नई दिशा देते हैं, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की पहचान भी मजबूत करते हैं। जीजेएस हमारा अपना शो ने इस बार सिर्फ महत्वपूर्ण आयोजन होने का प्रमाण नहीं दिया, बल्कि यह दिखाया कि कैसे एक व्यवस्थित, तथ्य-आधारित, संवाद-प्रधान मंच ज्वेलरी इंडस्ट्री को टिकाऊ सफलता की ओर ले जा सकता है। लगभग 550 से ज्यादा स्टॉलों पर 20 लाख से ज्यादा ज्वेलरी डिज़ाइन, 400 से ज्यादा एग्जिबिटर्स, और तकरीबन 15 हजार विजिटर्स और 200 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और 2000 हॉस्टेड बायर्स की भागीदारी के साथ, जीजेसी का यह शो गोल्ड व सिल्वर में महंगाई और ग्राहकी की चुनौतियों के बावजूद ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए उम्मीद की किरण बना है। मुंबई केबीसी स्थित जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित जीजेएस का यह आठवां एडिशन नए ज्वेलर्स और नई पीढ़ी के ज्वैलरी इंडस्ट्री के लोगों के लिए एक नई उम्मीद की किरण बनता जा रहा है। महंगाई के इस दौर में जहां आम उपभोक्ता सोच-समझकर खर्च कर रहा है, वहीं ज्वेलरी एग्जिबिशन इंडस्ट्री के लिए नई संभावनाओं के दरवाजे खोल रहे हैं। जीजेएस ज्वेलरी शो ने इस धारणा को और मजबूत किया। गोल्ड-सिल्वर की कीमतें भले ही ऊंचाई पर हों, लेकिन खरीदारों का उत्साह कम नहीं हुआ। इस आयोजन की गूंज न केवल मुंबई या भारत तक सीमित रही, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार तक महसूस की गई। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कारोबारी और डिजाइनर इसमें शामिल हुए। इससे यह साफ है कि भारतीय ज्वेलरी बाजार की विश्वसनीयता और आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। बढ़ती कीमतों के बीच भी ग्राहकी का यह उत्साह ज्वेलरी इंडस्ट्री के भविष्य की मजबूती का संकेत देता है।

जीजेसी का हमारा अपना शो जीजेएस, सिर्फ एक ज्वेलरी एग्जिबिशन नहीं बल्कि ज्वेलरी इंडस्ट्री की स्थिति जानने और दिशा तय करने का मापदण्ड बन चुका है। जीजेएस ने यह साबित किया कि जब मंच संयोजित हो, स्तरीय हो, और खरीदार-विक्रेता दोनों की अपेक्षाएं संतुलित हों, तो महंगी वस्तु होने के बावजूद ग्राहक सक्रिय होते हैं।

जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल पिछले 8 वर्षों से इस एग्जिबिशन को लगातार आयोजित कर रही है। जीजेसी ने अपनी वेबसाइट पर जीजेएस के इस आठवे एडिशन को ग्रैंड सक्सेस बताते हुए सभी का आभार जताया है। हमारा अपना शो नाम मात्र एक टैगलाइन नहीं, बल्कि ज्वेलरी इंडस्ट्री की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह आयोजन बाजार की नब्ज को समझने और भविष्य की दिशा तय करने का मंच बन चुका है। हर बार की तरह इस बार भी इस शो की उपयोगिता और सफलता ने यह साबित किया कि ऐसे आयोजन केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि बाजार को मजबूती देने वाला छुपे रुस्तम हैं। इस तरह के ज्वेलरी एग्जिबिशन ज्वेलरी इंडस्ट्री की आंतरिक ताकत को उभारते हैं, कारोबारी संबंधों को मजबूत करते हैं और नई नीतियों व रणनीतियों को आकार देते हैं। आने वाले वर्षों में जीजेएस शो से इंडस्ट्री को और अधिक पारदर्शिता, आधुनिकता और वैश्विक स्वीकार्यता मिलेगी, यह तय है।

इस बार के जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन में सैकड़ों स्टॉल लगे। इनमें पारंपरिक भारतीय ज्वेलरी से लेकर आधुनिक डिजाइन, डायमंड-जड़ित ज्वेलरी से लेकर हल्की-फुल्की डेली वियर ज्वेलरी तक सबकी झलक देखने को मिली। सिल्वर और गोल्ड के नवीनतम कलेक्शन ने विशेष आकर्षण खींचा। दिलचस्प बात यह

रही कि इस बार शो में भीड़ भले ही अपेक्षाकृत कम रही, फिर भी आयोजन को बेहद सफल माना गया। कारण यह कि कम लोगों की उपस्थिति ने हर खरीदार और कारोबारी को आराम से बातचीत और ज्वेलरी के परीक्षण और निरीक्षण के अवसर दिए। हर स्टॉल पर विजिटर्स ने पर्याप्त समय बिताया, डिजाइन पर गहन चर्चा हुई और डील्स ज्यादा पक्की हो सकीं। ये स्थिति स्पष्ट करती है कि सफलता भीड़ से नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण संवाद और सार्थक परिणामों से तय होती है। अक्सर माना जाता है कि भीड़ ज्यादा हो तो ही किसी भी ज्वेलरी शो सफल माना जाता है, लेकिन बेहद महंगे गोल्ड व सिल्वर के रेट्स के बीच 12 हजार विजिटर्स को जोड़कर जीजेएस ने इस धारणा को मजबूत किया है कि जहां कारोबारी आपस में बेहतर तरीके से जुड़ पाते हैं। इस बार भी यही हुआ। खरीदार और विक्रेता दोनों को हर डिजाइन को आराम से परखने का अवसर मिला। कारोबारी आवश्यकताओं पर गहन चर्चा हुई, नए कॉन्ट्रैक्ट बने और दीर्घकालिक संबंध स्थापित हुए। यह पहलू इस बार के शो की असली सफलता है।

सवाल यह उठता है कि आखिर इन एग्जिबिशन की अहमियत इतनी क्यों है? जवाब सरल है, क्योंकि जीजेएसी का ये शो केवल ज्वेलरी की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यहां डिजाइन, तकनीक और ट्रेडिंग तीनों का अद्भुत संगम रहा है। जीजेएस में डिजाइनर अपनी नवीनतम क्रिएटिविटी सामने रखते रहे हैं, तकनीकी विशेषज्ञ आधुनिक समाधान पेश करते रहे हैं और कारोबारी ग्राहकों के साथ मिलकर नए अवसर तलाशते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का यह मजबूत मंच बनता जा रहा है तथा भारत के ज्वेलरी इंडस्ट्री को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बना रहा है। यही कारण है कि गोल्ड, सिल्वर और डायमंड का कारोबार इस एग्जिबिशन के जरिए नई दिशा पा रहा है।

भारत के ज्वेलरी इंडस्ट्री की खासियत यह है कि यह परंपरा और आधुनिकता दोनों का संगम है। जीजेएस ज्वेलरी शो ने इस छवि को और मजबूत किया। जीजेएस ज्वेलरी शो में विदेश से आए लगभग 200 विदेशी खरीदार यहां भारतीय कारीगरी की बारीकी को देखा, वहीं भारतीय कारोबारी अंतरराष्ट्रीय रुझानों से परिचित हुए। जिन विदेशी खरीदारों का आगमन हुआ, वे दुबई, बहरीन, कतर, बांग्लादेश, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, थाईलैंड आदि से आए थे। इससे न केवल निर्यात के अवसर बढ़ने की संभावना बढ़ी है, बल्कि भारतीय बाजार की वैश्विक पहचान और भी गहरी हुई। हालांकि, अधिक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी हो सकती थी, लेकिन इस बार विदेशी खरीदारों की संख्या संतोषजनक ही रही, क्योंकि गोल्ड व सिल्वर के रेट्स हाई चल रहे हैं। लेकिन आने वाले आयोजनों के लिए अभी से मेहनत करके कुछ और देशों से भागीदारी बढ़ानी चाहिए ताकि भारत को ग्लोबल ज्वेलरी हब के रूप में स्थापित करने की प्रक्रिया तेज करने में जीजेसी का भी योगदान ज्यादा बढ़ सके। आने वाले वर्षों में जीजेएस ज्वेलरी यह शो भारत को ज्वेलरी इंडस्ट्री का वैश्विक हब बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा, यह सभी को विश्वास है। जीजेएस ज्वेलरी शो में, पारंपरिक ज्वेलरी, जैसे जडाऊ, कुंदन, हाथ कला की डिज़ाइनों के साथ-साथ आधुनिक, लाइट वेट, लैब-ग्रोन डायमंड और अनोखी कलाकारी की झलक भी दिखी। खास बात यह रही कि एग्जिबिटर्स ने इस शो में, कई नवीनतम डिजाइन भी प्रस्तुत किए, जो अभी मार्केट में पूरी तरह न पहुंचे हैं। आज जब पूरी दुनिया भारतीय ज्वेलरी की कारीगरी और डिजाइन पर नजर गड़ाए हुए है, तब जीजेएस जैसे शो न केवल कारोबार को मजबूती देते हैं, बल्कि भारत को ज्वेलरी इंडस्ट्री का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में भी ठोस कदम हैं।

जीजेएस शो को इस महंगे माहौल में भी मिली सफलता के बाद अब इस शो के आगामी आयोजनों के बारे में, इंडस्ट्री की अपेक्षाएं और बढ़ गई हैं। जीजेएस की आयोजक संस्था जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल ने संकेत दिए हैं कि आने वाले वर्षों में शो और भी बड़े पैमाने पर आयोजित होगा। इसमें तकनीक के अभिनव प्रयोगों, डिजिटल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और नए डिजाइन ट्रेंड्स को और ज्यादा महत्व दिया जाएगा। ज्वेलरी इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ये एग्जिबिशन केवल ज्वेलरी की प्रदर्शनी न रहकर इनोवेशन सेंटर का रूप ले नया आकार लेगा, नए विचार जन्म लेंगे, नई साझेदारियां होंगी और इंडस्ट्री को वैश्विक चुनौतियों से जूझने की रणनीति भी मिलेगी।

जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन ने यह साबित कर दिया कि भले ही रेट हाई हो, ग्राहकी कम हो, संभावनाएं कमजोर हो, और माहौल अस्थिरता का हो, फिर भी बाजार की धड़कनों को समझने और दिशा तय करने के लिए जीजेएस ज्वेलरी शो जैसे मंच अनिवार्य हैं। महंगाई और ग्राहकी के बीच भी ऐसे आयोजन ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए उम्मीद की किरण है। कम भीड़, ज्यादा संवाद, इस बार के शो का सबसे बड़ा सबक है। साथ ही, डिजाइन, तकनीक और ट्रेडिंग का संगम इंडस्ट्री को नई ऊर्जा देता है। यह सच है कि गोल्ड और सिल्वर की बेतहाशा कीमतें बढ़ रही हैं, लेकिन ऐसे आयोजनों की सफलता यह संदेश देती है कि भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है।

राजेश रोकडे
चेयरमेन-जीजेसी

हमारा अपना शो के नाम को सार्थक करना वाली जीजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन की सच्ची तस्वीर यह है कि जब गोल्ड व सिल्वर के रेट्स लगातार ऊपर जा रहे है, फिर भी जीजेएस ज्वेलरी इंडस्ट्री को एक आश्वस्त आधार देने में कामयाब रहा है। हमारा ये प्रतिष्ठित शो इस बार भी डिजाइन, तकनीक, ट्रेडिंग का त्रिकोण बनाने में सफल रहा है।

गोल्ड व सिल्वर के क्षेत्र में महंगाई की मार और ग्राहकी में सुस्ती की इस मुश्किल घड़ी में ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए एक ऐसा मंच मिलना, जहां डिजाइन, ट्रेडिंग, और ग्राहकों-विक्रेताओं के बीच सीधा संवाद हो सके, एक वरदान जैसा है। मुंबई के जियो इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हाल ही में संपन्न जीजेएस (GJS) 'हमारा अपना शो' ने यही कर दिखाया है।

अविनाश गुप्ता
वाईस चेयरमेन-जीजेसी

गोल्ड व सिल्वर में अब तक के चॉप पर पहुंचे रेट्स के बावजूद जीजेएस ज्वेलरी शो महंगाई और ग्राहकी का संगम बनाने में सफल रहा है। इस शो ने ज्वेलरी इंडस्ट्री को यह एहसास कराया है कि ग्राहकी अभी भी कहीं ठहर नहीं रही है, क्योंकि खरीदार बाजार की उच्च कीमतों के बावजूद लोग गोल्ड व सिल्वर में ज्वेलरी और निवेश को महत्व दे रहे हैं।

संयम मेहरा
कन्वीनर-जीजेएस

जीजेएस में देश भर से आए ज्वेलरी व्यापारियों को उत्पादों की मांग और प्रवृत्तियों की ताज़ा जानकारी मिली है कि कौन से डिज़ाइन व सामग्री लोकप्रिय हो रहे हैं। इस शो में ज्वेलरी के हर प्रकार के व्यावसायिक लेन-देन सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि बाजार की वास्तविक जरूरतों और विश्वास का मजबूत आधार बने हैं।

नितीन खंडेलवाल
पूर्व चेयरमेन-जीजेसी

इस बार के जीजेएस ज्वेलरी शो की खास बात यह थी कि महंगाई की मार के बावजूद शो की क्वालिटी प्रभावित नहीं हुई, बल्कि उल्टा एग्जिबिटर्स और बायर्स के बीच समय की सुविधा और वार्तालाप में गहराई आई। विक्रेता और खरीदार दोनों को हर स्टॉल पर आराम से समय मिला। सभी एग्जिबिटर्स की डिज़ाइनों को विजिटर्स ने करीब से देखा और व्यापारिक कॉंट्रैक्ट हुए।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

Raju Kothari | Akrant Kothari - 98192 07704 | Ketan Kothari - 79001 23190

R. Kothari & Co. Jewellers

81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783
e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

ADN

THE MARK OF GUARANTEE & CREATION

Aradhana

JEWELLERS PVT. LTD.

Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.

Karan Surana - 9820604171 / **Aryan Surana** - 9820204171, **Landline** - 23405500 / 23475500, **Intercom** - 4148

eMail : aradhanajewellerspvtltd@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

THE HOUSE of SILVER EMPORIUM
SILVER • GOLD • DIAMONDS
SILVER EMPORIUM
GIRVÁAN
A STORY of GOLD
DIARAH
DIAMOND JEWELS
SILVER EMPORIUM • 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor
Kalbadevi Road, Mumbai 400002 • info@silveremporium.in

गोल्ड में और बढ़ोतरी तय

इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की डिमांड में लगातार इजाफा

गोल्ड पर दुनिया की नज़रें फिर से टिक गई हैं। वैश्विक गोल्ड की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी एवं चीन की गोल्ड खरीदारी जैसे बड़े रुझानों से भारत, बहुत गहरे स्तर पर प्रभावित हो रहा है। सरकार की नीतियां, जैसे कि इंपोर्ट ड्यूटी में कुछ महीनों पहले की गई कमी ने जरूर कुछ राहत दी थी और इंपोर्ट को बढ़ावा दिया है। लेकिन गोल्ड की घरेलू एक बार फिर से कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं। गोल्ड के रेट्स जब 1 लाख रूपए प्रति 10 ग्राम के आस पास थे, तो उपभोक्ता खरीदारी में जरूर कुछ दबाव था, क्योंकि खरीददारों को लग रहा था कि गोल्ड नीचे उतरेगा। लेकिन जैसे जैसे गोल्ड के रेट्स 1 लाख 15 हजार के आस पास पहुंचे, तो ग्राहकी खुलने लगी, क्योंकि लोगों को डर है कि गोल्ड और भी महंगा हो सकता है। सितंबर महीने के आखरी सप्ताह में गोल्ड 1 लाख 15 हजार से कुछ ही नीचे बिक रहा था। माना जा रहा है कि गोल्ड की कीमतें और बढ़ेगी, लेकिन ग्राहकी कम नहीं होगी। विशेष रूप से ज्वेलरी की खरीद हमारी सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपरा से जुड़ी है, सो गोल्ड की डिमांड भारत में पूरी तरह नहीं रुकेगी। आने वाले महीनों में यह उम्मीद की जा सकती है कि गोल्ड की कीमतें इंटरनेशनल मार्केट सहित भारत में अभी और ऊंचीं होंगी, क्योंकि इसकी वैश्विक मांग और बढ़ती जा रही है साथ ही खनन से आपूर्ति में भी तेजी नहीं आ रही। माना जा रहा है कि गोल्ड की डिमांड में अंतर होगा, क्योंकि ज्वेलरी में गोल्ड कम सेल होगा, मगर इन्वेस्टमेंट में गोल्ड बढ़ेगा। ज्वेलर्स के लिए खुशखबरी यह है कि त्यौहारों और विवाह के सीजन के समय गोल्ड की कीमतों और प्रीमियम में उछाल होगा। इसके साथ ही एक संभावना इस बात की भी है कि सरकार शायद, आयात ड्यूटी में बदलाव, टैक्स नीति, घरेलू गोल्ड की स्क्रैप आपूर्ति को प्रोत्साहन देने के लिए पॉलिसी के लेवल पर बदलाव करेगी, या उस पर गहनता से विचार करेगी। इस सबके बावजूद गोल्ड सस्ता तो नहीं होगा, यह सभी मान रहे हैं। हालांकि गोल्ड नीचे गिरेगा, यह मानने वाले भी कुछ लोग गोल्ड इंडस्ट्री में हैं, लेकिन उनके पास इसके कोई खास तर्क नहीं है।

आने वाले दिनों में गोल्ड अभी कुछ और महंगा होने के आसार साफ है। लेकिन गोल्ड आने वाले दिनों में बहुत नीचे गिरेगा, यह मानने वाले भी गोल्ड इंडस्ट्री में बहुत लोग हैं। हालांकि वे हवा में तीर मार रहे हैं और गोल्ड के नीचे गिरने के उनके पास कोई स्पष्ट तर्क नहीं है।

वैसे तो गोल्ड महंगा होता जा रहा है, और ज्यादातर जानकार कह रहे हैं कि यह आने वाले वक्त में और महंगा ही होगा, क्योंकि दुनिया भर के हालात इस महंगे होने के समर्थन में हैं। अमेरिका की ट्रेजरी और उसके गोल्ड रिजर्व का रेश्यो भी बताता है कि गोल्ड की कीमतों में अब तक की सबसे बड़ी तेजी आ सकती है। फिर भी कुछ लोगों को आशंका है कि गोल्ड में बेहद तेजी के बाद हालात सन 1940 जैसे हो सकते हैं। सन 1939 में 10 ग्राम गोल्ड की कीमत लगभग 31.75 रुपये थी, जो सन 1940 में बढ़कर 36.05 रुपये हो गई। लेकिन सन 1940 में गोल्ड के रेट्स 33.85 रुपये रहे, जो 1944 तक इसी के आस पास घूमते रहे। मतलब, कुछ लोगों की बात मान लें, तो गोल्ड आने वाले दिनों में गिरेगा। गोल्ड के बारे में आने वाले दिनों में नकारात्मक ट्रेंड की बात करने वाले ज्यादातर लोगों के पास कोई खास तर्क नहीं है, मगर फिर भी उनकी बात पर गौर किया जाना चाहिए।

बात यह है कि दूसरे विश्व युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड की उपलब्धता अत्यधिक मात्रा में बढ़ गई थी। कई यूरोपीय देशों ने नाज़ियों के हाथों में पड़ने से अपने गोल्ड भंडार को बचाने के लिए उसे अमेरिका और ब्रिटेन भेज दिया था। जर्मनी से बचाने के लिए नॉर्वे ने अपना 50 टन गोल्ड इंग्लैंड के रास्ते अमेरिका भेजा। बाद में, इस गोल्ड का इस्तेमाल नॉर्वे की निर्वासित सरकार द्वारा किया गया था। बेल्जियम और फ्रांस जैसे कई अन्य यूरोपीय देशों ने भी अपने गोल्ड के भंडार को नाज़ियों से बचाने की कोशिश की थी। इनमें से कुछ गोल्ड तो जर्मनी के हाथ लग गया, जबकि कुछ को सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। इन घटनाओं ने गोल्ड को एक सुरक्षित निवेश का दर्जा दिया, जो युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो गया। इसके साथ ही दुनिया के कई देश आर्थिक संकट में होने के कारण उन्होंने गोल्ड खरीदना बहुत ही कम कर दिया था। विभिन्न देशों के गोल्ड भंडारों के अमेरिका के पास पहुंचने से 1930 से 1940

के बीच अमेरिका का गोल्ड भंडार लगभग तीन गुना हो गया था। इसकी एक वजह 1934 का गोल्ड रिज़र्व एक्ट भी था, जिसके तहत प्राइवेट गोल्ड की मालिकी को व्यापक पैमाने पर नियंत्रित किया गया था, अर्थात एक कोई भी व्यक्ति निर्धारित लिमिट से ज्यादा गोल्ड नहीं रख सकता था। इसी कारण दुनिया भर में 1940 में गोल्ड की कीमतों में कमी आई, जबकि इससे पहले के कुछ वर्षों में इसमें बहुत तेजी से वृद्धि हुई थी।

दुनिया में चारों तरफ नजर दौड़ाई जाए, तो विश्व अर्थव्यवस्था कई तरह की नई चुनौतियों से जूझ रही है। अमेरिका और यूरोप की आर्थिक मंदी की आशंका, चीन की धीमी विकास दर और उभरते देशों की वित्तीय अस्थिरता निवेशकों को सुरक्षित विकल्प तलाशने पर मजबूर करती है। ऐसे समय में गोल्ड सबसे विश्वसनीय एसेट माना जाता है। गोल्ड की कीमतों का सीधा संबंध अमेरिकी डॉलर से है। जब डॉलर कमजोर होता है तो गोल्ड महंगा हो जाता है क्योंकि अन्य मुद्राओं में निवेशक आसानी से गोल्ड की ओर रुख करते हैं। साथ ही, फेडरल रिजर्व और अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में नरमी या कटौती भी गोल्ड की कीमतों को सहारा देती है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा।, पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती जा रही है। और अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक तनाव जैसी परिस्थितियां निवेशकों में भय और अनिश्चितता पैदा कर रही हैं। ऐसे समय में सुरक्षित पनाह के रूप में गोल्ड सबसे पहले खरीदा जाता है, जो कि दुनिया के लगभग सारे देश लगातार कर भी रहे हैं। केंद्रीय बैंकों की गोल्ड में खरीदारी पर नजर डालें, तो पिछले कुछ वर्षों में चीन, भारत, तुर्की और रूस जैसे देशों के केंद्रीय बैंकों ने बड़े पैमाने पर गोल्ड खरीदा है। इसका उद्देश्य अपनी विदेशी मुद्रा भंडार को विविध बनाना और डॉलर पर निर्भरता कम करना है। इस निरंतर मांग ने गोल्ड की कीमतों को ऊपर धकेला है।

गोल्ड की बढ़ती कीमतों और ब्याज दरों के परिदृश्य को देखें, तो अमेरिका में फेडरल रिजर्व ने भले ही वर्तमान में ब्याज दरों को थोड़ा कम करने का रास्ता अपनाया है, लेकिन यह उम्मीद की जा रही है कि अपनी अगली मीडिंग में फेडरल रिजर्व कुछ दर कटौती जरूर करेगा। क्योंकि ब्याज दरें जितनी अधिक होंगी, गोल्ड जैसी ब्याज नहीं देने वाली जींस, की अपेक्षित लागत भी उतनी ही बढ़ेगी। जब ब्याज दरें कम हों, तब गोल्ड का आकर्षण बढ़ता है, क्योंकि दूसरे निवेशों से कम रिटर्न मिलने की संभावना होती है। डॉलर की कमजोरी भी गोल्ड के रेट्स में बढोतरी का एक सबसे बड़ा कारण है। डॉलर की मजबूती गोल्ड की कीमतों को दबाती है क्योंकि गोल्ड आमतौर पर डॉलर में कीमत तय होता है। जब डॉलर कमजोर होता है, तो अन्य मुद्राओं में रखने वाले निवेशकों के लिए गोल्ड सस्ता हो जाता है और मांग बढ़ जाती है। वर्तमान में डॉलर में गिरावट की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच व्यापार टकराव बढ़ता जा रहा है। टैरिफ बढ़ाने, प्रतिवाद करने जैसी घटनाएं गोल्ड की बढ़ोतरी का कारण है, इसी कारण टीन गोल्ड की खरीदी जारी रखे हुए हैं। ये अस्थिरताएं गोल्ड जैसे सुरक्षित आश्रय की मांग को बढ़ाते हैं। निवेशकों को डर है कि ये टकराव वैश्विक आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे निवेशों में रुझान जोखिम कम कर सुरक्षित संपत्तियों की ओर जाएगा।

गोल्ड में आने वाली संभावित मंदी से डरना जरूरी नहीं है, क्योंकि ऐसा होना संभव ही नहीं है। मंदी की संभावना की नकारात्मकता के डर को दूर करने के लिए बाजार के जानकारों का साधारण सा तर्क है कि वर्तमान में दूसरे विश्व युद्ध के बाद की तरह, ना तो अब गोल्ड की उपलब्धता बढ़ी है, ना ही अमेरिका के पास गोल्ड का भंडार बहुत ज्यादा बढ़ रहा है, ना ही गोल्ड की उपलब्धता बढ़ रही है और ना ही दुनिया के विभिन्न देशों के रिजर्व बैंक गोल्ड खरीदना कम कर रहे हैं। फिर, अमेरिका के पास मौजूद गोल्ड रिजर्व इसकी सिर्फ 2 फीसदी वैल्यू के बराबर है। 1970 के दशक में यह अनुपात 17 फीसदी था और 1940 के दशक में करीब 40 प्रतिशत था। अगर आज फिर से 17 फीसदी के स्तर पर पहुंचना हो तो गोल्ड की कीमत भारत में 1 लाख 10 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तो किसी भी हालत में बनी रहेगी। पिछले कुछ महीनों को देखें, तो वैश्विक वित्तीय संकट के हालात बाद से दुनिया भर के देशों की सेंट्रल बैंकों ने गोल्ड की भारी मात्रा में खरीद की है और अब यह 50 साल की सर्वाधिक ऊंचाई पर है। वहीं अमेरिका के गोल्ड रिजर्व पिछले 90 सालों के निचले स्तर पर हैं।

गोल्ड रिजर्व के मामले में पिछले 90 सालों का यह बेहद भारी और ऐतिहासिक फासला अमेरिका को अपनी रिजर्व गोल्ड पॉलिसी पर एक बार फिर नए सिरे से सोचने को मजबूर कर सकता है। इतिहास की बात करें, तो वैश्विक स्तर पर डॉलर जब जब कमजोर होता है, तो गोल्ड और अन्य कमोडिटी की कीमतों के लिए वह तेजी लाने में सहायक रहा है। गोल्ड के इंटरनेशनल मार्केट के कई जानकार और विभिन्न अर्थशास्त्रियों की राय में अमेरिकी डॉलर फिलहाल अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई और ओवर वैल्यूएशन पर तैर रहा है। तो गोल्ड कमजोर कैसे होगा, यह किसी की भी समझ से परे हैं। गोल्ड के वर्तमान हालात, दुनिया की जरूरतों तथा इसकी आर्थिक स्थिति को बचाए रखने की ताकत पर फोकस करें, तो कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि गोल्ड घटेगा नहीं। क्योंकि गोल्ड की कीमतें केवल ज्वेलरी या निवेश की घरेलू मांग से प्रभावित नहीं होतीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और वित्तीय हालात भी इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। जब तक दुनिया में अनिश्चितता और अस्थिरता बनी रहेगी, तब तक गोल्ड की कीमतों में मजबूती की संभावना बनी रहेगी।

यकीन मानिये, गोल्ड किसी भी हाल में सस्ता तो नहीं होगा। क्योंकि गोल्ड की कीमतें केवल शादी ब्याह या होली दीपावली पर ज्वेलरी की डिमांड बढ़ने या निवेश की घरेलू मांग से प्रभावित नहीं होतीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और वित्तीय हालात भी इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं।

मंगेश चौहान

स्काय गोल्ड एण्ड डायमंड्स लि.

गोल्ड के रेट्स जब बहुत ज्यादा बढ़ते हैं, तो थोड़े - बहुत घटते भी है। लेकिन इसे गोल्ड के रेट्स का गिरना नहीं माना जा सकता। बाजार में जो लोग गोल्ड के रेट घटने की आशा में बैठे हैं, उनकी व्यावसायिक समझ को कम करने आंकना होगा, क्योंकि गोल्ड कभी भी घटता नहीं है।

अजित जैन

मानक ज्वेलर्स प्रा. लि.

कुछ लोगों को आशंका है कि गोल्ड घटेगा और 1930 - 1940 के दशक में पहुंच जाएगा। तब रेट बहुत गिर गए थे। दुनिया के कई देशों ने तब आर्थिक संकट में गोल्ड खरीदना बंद कर दिया था। लेकिन अब तो कई देश हर रोज गोल्ड की खरीदी का नया कीर्तिमान बना रहे हैं।

विनोद वड़ाला

वि चेन

सन 1930 से 1940 के बीच गोल्ड का माहौल अलग था। तब दुनिया में माहौल विश्व युद्ध का था और दूसरे देशों द्वारा अमेरिका में गोल्ड रखने के कारण वहां का गोल्ड भंडार लगभग बहुत बढ़ गया, तो गोल्ड के रेट गिरे थे। लेकिन बाद में बहुत तेजी से वृद्धि हुई, यह भी समझना होगा।

राजु कोठारी

आर कोठारी एण्ड कं. ज्वेलर्स

कोई कुछ भी कहे, लेकिन गोल्ड के रेट्स कम नहीं होंगे, क्योंकि इससे दुनिया के विभिन्न देश अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलन दे रहे हैं। चीन बड़े पैमाने पर गोल्ड खरीद रहा है, दूसरे कई देश भी खरीद रहे है। इतने बड़े पैमाने पर गोल्ड बिक रहा है, तो सस्ता कैसे होगा, यह समझ में नहीं आता।

5 साल में कहां पहुंचेगी सोने की कीमत?

एक्सपर्ट ने कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली। सोने की कीमत इस समय आसमान छू रही है। सोना इस साल 40 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे चुका है। सोने की तेजी को देखते हुए लग रहा है कि इसमें आगे भी तेजी रह सकती है। हालांकि इसे लेकर एक्सपर्ट ने भी भविष्यवाणी की है। एक्सपर्ट के मुताबिक अगले 5 साल में सोने की कीमत बढ़कर करीब 2 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो सकती है। अब से पांच साल पहले सितंबर 2020 को 24 कैरेट सोने का भाव एमसीएक्स वेबसाइट के अनुसार 51,619 रुपये प्रति 10 ग्राम था। अब, यह बढ़कर 1,09,388 रुपये हो गया है। एक साल पहले यह दर 72,874 रुपये थी। ऐसे में पिछले 1 साल में सोने में 50 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं 5 साल की बात करें तो यह तेजी 112 प्रतिशत रही है। ऐसे में माना जा सकता है कि सोने की कीमत अगले 5 साल में करीब दोगुना हो सकती है।

क्यों बढ़ी सोने की कीमत?

पिछले पांच सालों में सोने के दाम बहुत तेजी से बढ़े हैं। इसकी कई वजहें हैं। जैसे कि कोरोना वायरस महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका के टैरिफ और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं। इन सब वजहों से भारत समेत पूरी दुनिया में सोने की कीमतों में उछाल आया है। अगर हम अभी की बात करें तो इक्विटी बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स से पिछले 1 साल में लगभग शून्य रिटर्न मिला है। जब इक्विटी बाजार अच्छा रिटर्न नहीं दे पाता, तो निवेशक सोने में ज्यादा निवेश करते हैं। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार गोल्ड ईटीएफ ने पिछले 1 साल में 47 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

क्या 5 साल में 2 लाख पहुंचेगा सोना? – सोने में तेजी को देखते हुए यह पीली धातु अगले 5 साल में करीब दोगुनी होकर दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो जाएगी? एक्सपर्ट इस पर अलग-अलग राय रखते हैं। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड के एवीपी (कमोडिटीज एंड करेंसीज) मनीष शर्मा का कहना है कि अगले 5 वर्षों में सोने की कीमत में वृद्धि भू-राजनीतिक कारकों के संयोजन पर निर्भर करेगी। मनीष शर्मा का अनुमान है कि सोना 1 साल में 1.20 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और 5 साल में 1.7 लाख रुपये को छू जाएगा।

अभी खरीदें या नहीं या रोक कर रखें? – अब सबसे बड़ा सवाल आता है कि सोने को बेच दें या और खरीद लें या जो अभी पास में है, उसे रोक कर रखें? ज्यादातर एक्सपर्ट न केवल लंबे समय में बल्कि कम समय में भी सोने की कीमत की चाल के बारे में आशावादी दिखते हैं। एक्सपर्ट का सुझाव है कि आपको अपनी जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर अपने निवेश पोर्टफोलियो का 5-10 प्रतिशत तक सोने में निवेश करना चाहिए।

अगर आपके पोर्टफोलियो का सोने का हिस्सा आपके तय किए गए स्तर से ज्यादा है, तो इसका एक हिस्सा बेचने और अन्य संपत्तियों में निवेश करने का यह अच्छा समय हो सकता है। यह रकम वहां निवेश करें जहां आपके निवेश का मूल्य गिर गया है। अगर पोर्टफोलियो में सोना सही अनुपात में है, तो आप इसे रखना जारी रख सकते हैं। हालांकि, अगर सोने में आपका निवेश जोखिम कम है तो आप किश्तों में सोना खरीद सकते हैं और धीरे-धीरे इसके अनुपात को वांछित स्तर तक बढ़ा सकते हैं।

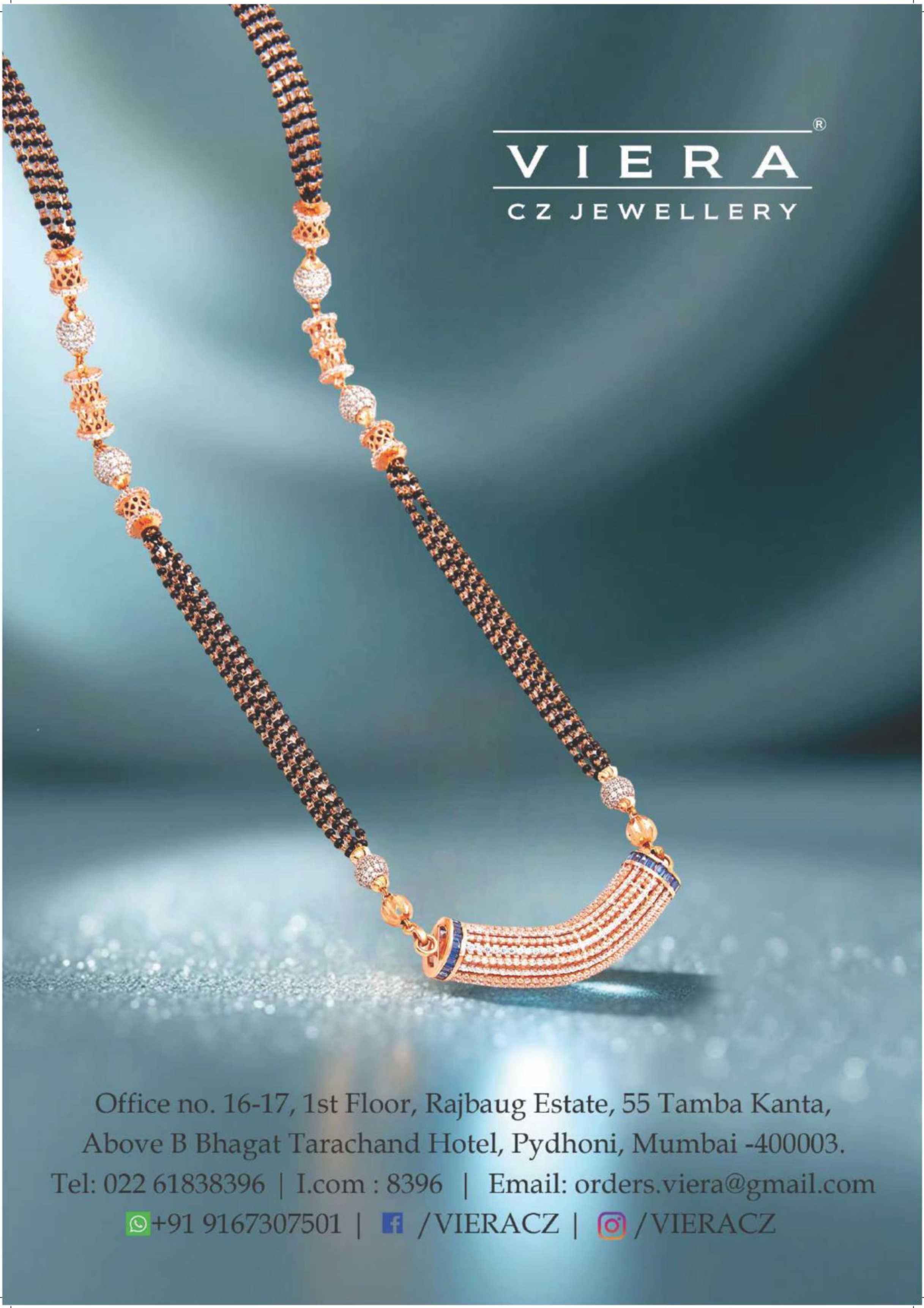

VIERA®
CZ JEWELLERY
Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड ने यूनिगोल्ड 18 कैरेट की ज्वेलरी लॉन्च के साथ एक नए युग की शुरूआत की

मुंबई। यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड ने यूनिगोल्ड 18 कैरेट की ज्वेलरी लॉन्च के साथ एक नए युग की शुरूआत की। 10 सितम्बर को बुलियन हाऊस तिसरा माला, 115 तांबा काटा लेन, मुंबादेवी रोड, मुंबई में कल्याण ज्वेलर्स के राजेश कल्याण ने इसका उद्घाटन किया। यह कंपनी के लिए एक साहसिक कदम है क्योंकि यह 18 कैरेट सोने के आभूषणों की दुनिया में एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है, जो आधुनिक डिजाइन संवेदनशीलता और कालातीत शिल्प कौशल का मिश्रण है। युनिगोल्ड 18 कैरेट का लॉन्च सिर्फ एक ब्रांड परिचय से कहीं बढ़कर है, यह 18 कैरेट बाजार को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। इस उप ब्रांड के जरिए यूनिक चेन्स एंड ज्वेल्स लिमिटेड खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को ऐसे आभूषण उपलब्ध कराता है जो शुद्धता, समकालीन सौंदर्श और स्थायी मूल्य के उच्च मानकों को दर्शाते हैं। इस अवसर पर जीजेसी के अध्यक्ष राजेश रोकडे, इब्जा के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी, जीजेसी के पूर्व अध्यक्ष नितिन खंडेलवाल, अशोक मीनावाला, जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता के साथ मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन्स के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित ज्वेलरी इंडस्ट्रीज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी मेहमानों का स्वागत प्रेम मेहरा, संयम मेहरा, अंकित मेहरा ने किया।

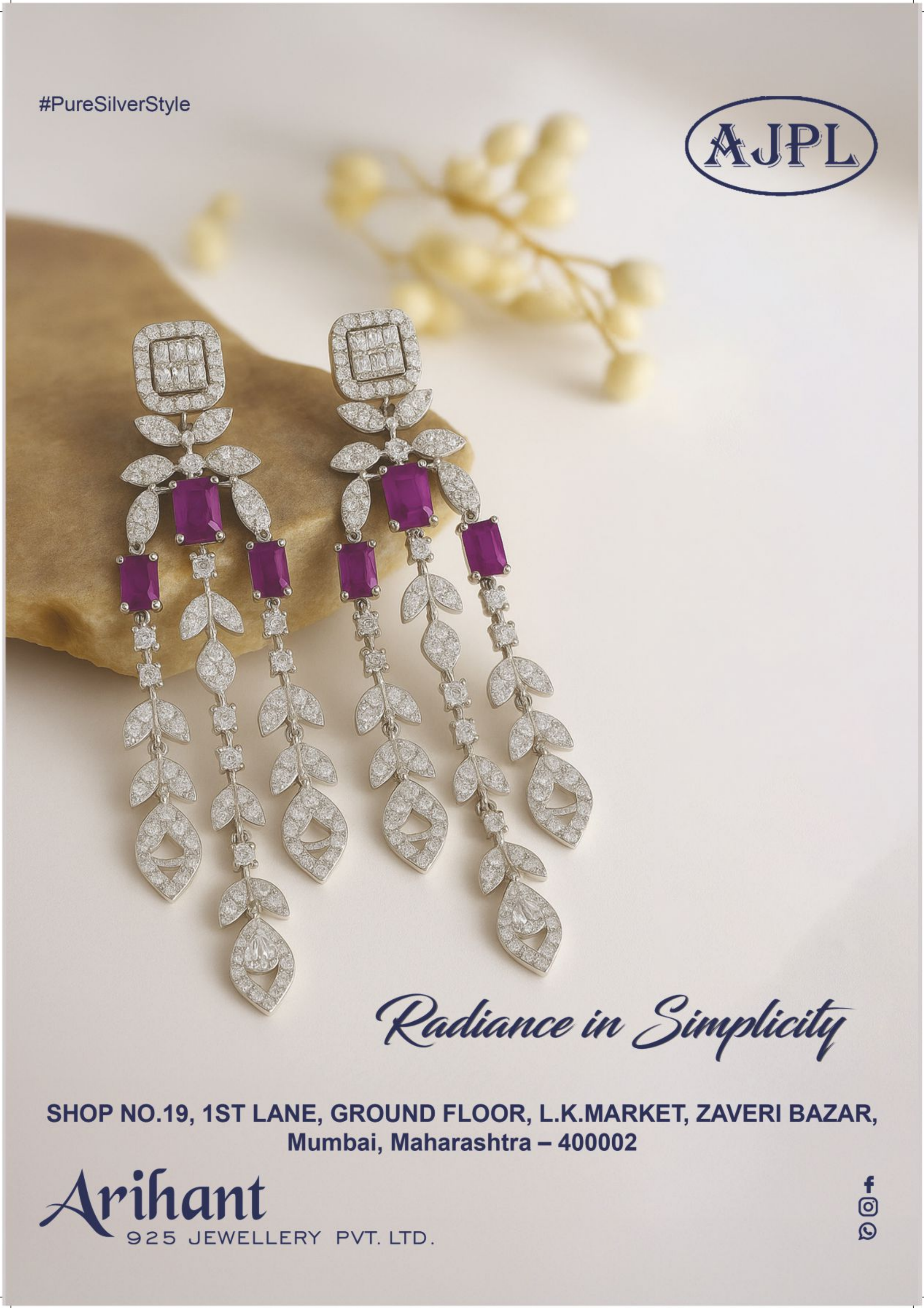
#PureSilverStyle
AJPL
Radiance in Simplicity
SHOP NO.19, 1ST LANE, GROUND FLOOR, L.K.MARKET, ZAVERI BAZAR,
Mumbai, Maharashtra – 400002
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya

JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

GJEPC Announces Newly Elected CoA Members for 2025

Mumbai: The Gem & Jewellery Export Promotion Council (GJEPC), the apex body of the gem and jewellery trade in India, has announced the results of its recent Committee of Administration (CoA) elections for 2025 for the vacant positions. Declared on 19th September 2025, the results confirmed the election of the following esteemed industry leaders as CoA members:

Bharat M. Ghori
Divine Star

Mital V. Doshi
Sparkel Diamonds

DIAMOND PANEL - MSME CATEGORY:

Neetu Goyal
Vedansh Creation
SILVER JEWELLERY - Women Entrepreneur / Young Entrepreneur / Start-up / North Eastern / Hill Region, GENERAL CATEGORY:

Russell A. Mehta
Rosy Blue (india) Pvt. Ltd
Diamond Panel : Status Holder Category

Sanket M. Patel
Greenlab Diamonds Llp
LABGROWN DIAMOND - STATUS HOLDER CATEGORY:

Sohil Kothari
Fine Jewellery Mfg. Ltd.
Sez- Msme Category:

Vijay M. Mangukiya
Dhani Jewels Pvt. Ltd.
STUDDED JEWELLERY - STATUS HOLDER CATEGORY:

Tarang Arora
Amrapali Worldwide Llp
Synthetic Stones/Costume/Fashion Jewellery / Sales to Foreign Tourist -status Holder Category:

Yogendra Garg
Derewala Industries Limited
REGIONAL CHAIRMAN - RAJASTHAN REGION, MSME CATEGORY:

Vineetbhai N. Vasa
Lotus Jewellery Creation
GOLD JEWELLERY PANEL & OTHER PRECIOUS METAL JEWELLERY PANEL - GENERAL CATEGORY:

Welcoming the new members, Shri Kirit Bhansali, Chairman, GJEPC, said: "I warmly welcome all the newly elected members of the CoA. Each of them brings rich experience, vision, and commitment to the Council. Together, we look forward to working collaboratively for the growth and betterment of the gem & jewellery industry.

Their diverse expertise will strengthen our collective efforts to navigate challenges, explore new opportunities, and ensure that India continues to shine as a global leader in this sector." The GJEPC remains committed to serving the interests of the Indian gem and jewellery fraternity and furthering its vision to position India as the world's preferred source for gems and jewellery.

OPENING & CLOSING RATES

1-30 Sept 2025

RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday
3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
01-Sep-25	104792	104493	104372	104075	95990	95716	123250	122800
02-Sep-25	104662	104424	104243	104006	95870	95652	123281	122833
03-Sep-25	105638	106021	105215	105596	96764	97115	122970	123220
04-Sep-25	105751	105945	105328	105521	96868	97046	122900	123207
05-Sep-25	106446	106338	106020	105912	97505	97406	123581	123170
06-Sep-25	SAT							
07-Sep-25	SUN							
08-Sep-25	107312	108037	106882	107604	98298	98962	123368	124413
09-Sep-25	109143	109475	108706	109037	99975	100279	124689	124770
10-Sep-25	109409	109635	108971	109196	100219	100426	124144	124594
11-Sep-25	109223	109097	108786	108660	100048	99933	124267	124499
12-Sep-25	109841	109707	109401	109268	100614	100492	127348	128008
13-Sep-25	SAT							
14-Sep-25	SUN							
15-Sep-25	109603	109511	109164	109072	100396	100312	127763	127791
16-Sep-25	110540	110869	110097	110425	101255	101556	128989	129300
17-Sep-25	109971	109733	109531	109294	100733	100515	126713	125756
18-Sep-25	109264	110167	108826	109726	100086	100913	125563	127100
19-Sep-25	109873	109775	109433	109335	100644	100554	128500	128000
20-Sep-25	SAT							
21-Sep-25	SUN							
22-Sep-25	111167	112155	110722	111706	101829	102734	132170	132869
23-Sep-25	113498	114314	113044	113856	103964	104712	134050	135267
24-Sep-25	114044	113584	113587	113129	104464	104043	134905	134089
25-Sep-25	113232	113349	112779	112895	103721	103828	134556	137040
26-Sep-25	113299	113262	112845	112808	103782	103748	137467	138100
27-Sep-25	SAT							
28-Sep-25	SUN							
29-Sep-25	115292	115454	114830	114992	105607	105756	144100	144387
30-Sep-25	116903	115349	116435	114887	107083	105660	145060	142434

सोने की बिक्री बढ़ाने के लिए आभूषण निर्माता दे रहे छूट

त्योहारों और शादियों के मौसम और सोने की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर आभूषण बनाने वाली कंपनियां मांग बढ़ाने और बिक्री में सुधार के लिए कई तरह के डिस्काउंट दे रही हैं। इस बीच सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। सोने के पुराने गहनों की खरीद पर डिस्काउंट, मेकिंग चार्ज में कटौती और 9 कैरेट तथा 14 कैरेट गोल्ड की पेशकश जैसे सभी कदमों से ग्राहकों को लुभाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पिछले दिनों सोने की कीमतों ने नया रिकॉर्ड बनाया। दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 1,04,950 रुपये तक पहुंच गई। उद्योग के अधिकारियों और ज्वैलरों का मानना है कि कीमतों में यह बढ़ोतरी जारी रह सकती है। हालांकि लोग अभी भी सोना खरीद रहे हैं, लेकिन अब वे वजन के बजाय तय बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। कल्याण ज्वैलर्स के

कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरामन ने कहा, 'हमारे फेस्टिवल ऑफर में सोने के सादे गहनों पर मेकिंग चार्ज में 50 प्रतिशत तक की छूट, टेम्पल और ऐंटीक ज्वैलरी पर 40 प्रतिशत की फ्लैट छूट और प्रीमियम गोल्ड के गहनों पर 30 प्रतिशत की फ्लैट छूट शामिल है। इन ऑफर से ग्राहकों को फायदा होगा और वे अपनी प्रिय परंपराओं को और अधिक खुशी और बेहतर मूल्य के साथ मना सकेंगे।'

ज्वैलरी चेन कंपनी को धनतेरस की अग्रिम और प्री-बुकिंग ऑफर पर भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। पिछले साल जुलाई में आभूषणों के खुदरा कारोबार में प्रवेश करने वाली अदित्या बिड़ला ग्रुप की कंपनी इंद्रिया ने भी मांग बढ़ाने के लिए कई ऑफर पेश किए हैं। इंद्रिय आदित्य बिड़ला ज्वैलरी के सीईओ संदीप कोहली ने कहा कि सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से ग्राहक अब सोच-समझकर खरीदारी कर रहे हैं। कई ग्राहक अब हल्के और कम कैरेट वाले सोने के गहने खरीद रहे हैं। ग्राहकों के और भी सतर्क होने का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। यह ब्रांड गहनों पर 35 प्रतिशत तक की छूट दे रहा है, सोने की कीमतों की स्थिरता के लिए डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन प्लान दे रहा है और पुराने सोने के एक्सचेंज पर कोई कटौती भी नहीं कर रहा है।

PURPLE
JEWELS PVT. LTD.
#PurpleJewels
Grace, carved in silver
BENGALURU
9844100503
CHENNAI
9841472000
MUMBAI
9920274644
HYDERABAD
9035130300

सिल्वर में बहार

अभी तो बहुत बढ़ेगी चांदी की चमक

सिल्वर के वर्तमान वैश्विक परिदृश्य मजबूती की तरफ बढ़ रहा है। सिल्वर के ये बढ़ते रेट्स, जो हम बेतहाशा बढ़ते देख रहे है, वे अभी तो आने वाले दिनों में और बढ़ेंगे, इसके संकेत भी साफ है। वेश्विक स्तर पर सिल्वर के लगातार महंगा होते रहने के कारण हर तरफ मौजूद हैं, तथा सिल्वर के आने वाले दिनों मे 1.50 लाख रुपए प्रति किलो से भी ऊपर के स्तर पर पहुंचने के संकेत है। इसके बारे में किसी को भ्रम भले ही हो, मगर एक विस्तृत नजरिये से देखें, तो साफ लगता है कि आने वाले वक्त में सिल्वर 1.50 लाख तो बहुत ही जल्दी पहुंच जाएगा और कोई कह नहीं सकता कि साल के अंत तक यह इस आंकड़े से भी आगे नहीं पहुंचेगा। क्योंकि सिल्वर का वैश्विक परिदृश्य वर्तमान समय में ऐतिहासिक रूप से बहुत मजबूत नजर आ रहा है। सन, 2025 में सिल्वर ने निवेश के मामले में और तेजी के मामले में भी, गोल्ड और शेयर बाजार को बहुत पीछे छोड़ दिया है, और इसकी कीमतें लगातार नए उच्चतम स्तर पर पहुंच रही हैं। दिसंबर महीने के अंत तक सिल्वर के रेट्स में तेज बढ़ोतरी, उसकी ग्लोबल सप्लाई में लगातार कमी, औद्योगिक मांग का बेतहाशा बढ़ जाना, और निवेशकों का इसकी तरफ बढ़ता रुझान, ये सब कारण ही सिल्वर को एक आकर्षक संपत्ति बना रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दौर में वैश्विक अर्थव्यवस्था में सिल्वर की भूमिका केवल बहुमूल्य मेटल तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सिल्वर की ऊर्जा, तकनीकी विकास, सामाजिक संरचना और वित्तीय सुरक्षा के हर आयाम में एक केंद्रीय भूमिका रहेगी। वैश्विक स्तर पर सिल्वर के वर्तमान परिदृश्य की

सन 2025 में सिल्वर के रेट्स लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं, वे नई ऊंचाई को छू रहे हैं और आने वाले दिनों में सिल्वर के 1 लाख 50 से 60 हजार तक पहुंचने के आसार साफ नजर आ रहे हैं। सिल्वर पर ग्लोबल बेंचमार्क का सीधा प्रभाव हैं और यही इसकी कीमतों में बहुत तेज बढ़ोतरी का सबसे मुख्य कारण भी रहा है।

बता की जाए, तो सन 2025 में सितंबर महीने के अंत तक सिल्वर के रेट्स में लगभग 25 फिसदी से 49 फीसदी तक की सालाना बढ़त देखी गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सिल्वर की कीमत 35 से 43 डॉलर प्रति औंस के भी पार पहुंच चुकी है, जो पिछले एक दशक का सबसे उच्च स्तर है। भारत में भी सिल्वर 1 लाख 33 हजार रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रही है, जिसमें पिछले एक वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई। वित्तीय क्षेत्र के जानकारों की राय में, दुनिया भर के प्रमुख स्टॉक मार्केट्स के इंडेक्स या गोल्ड की तुलना में सिल्वर ने बहुत बेहतर रिटर्न दिया है। गोल्ड जहां 43 फीसदी तक बढ़ा है, वहीं सिल्वर 49 फीसदी की छलांग लगा चुका है। इससे ज्यादा बढ़ोतरी बीते कई सालों में कभी नहीं देखी गई। वैश्विक स्तर पर सिल्वर के रेट्स में निरंतर बढ़ोतरी के कारणों को तलाशें, तो इसकी खपत बढ़ना सबसे अहम कारण है। औद्योगिक मांग में, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, सोलर पॉवर, मेडिकल उपकरण, ग्रीन टेक्नोलॉजी व अन्य उच्च तकनीकी क्षेत्रों में सिल्वर की खपत जबरदस्त तरीके से बढ़ी है। सन 2025 में सिल्वर की 50 फीसदी से ज्यादा डिमांड इंडस्ट्री से आ रही है। इसके साथ ही सबसे बड़ा कारण यह भी है कि इसकी सप्लाई में गिरावट देखी जा रही है। सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, यह लगातार पांचवां साल है जब विश्व स्तर पर सिल्वर सप्लाई में कमी दर्ज की जा रही है। सिल्वर में, अनुमानतः लगभग 150 मिलियन औंस की कमी दर्ज की गई है। इसके इअलावा, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता जैसे युद्ध, आर्थिक संकट, मुद्रा अस्थिरता के समय निवेशक गोल्ड व सिल्वर दोनों को प्राथमिकता देते हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारण सिल्वर के रेट्स बढ़ने में रहा है। दूसरी तरफ, अमेरिकी डॉलर का कमजोर होना भी सिल्वर के रेट्स में तेजी का कारण रहा है। जानकार बताते हैं कि डॉलर में नरमी या ब्याज दरों में कटौती का सिल्वर प्राइस पर सकारात्मक असर रहता है। सिल्वर के लगातार महंगा होने की प्रवृत्ति का अध्ययन करने से साफ पता चलता है कि सन 2025 में सिल्वर की

कीमतें हर बार रिकॉर्ड नई ऊंचाई को छू गई है। कॉमेक्स मार्केट में यह सितंबर के अंतिम दिनों से कुछ पहले तक 43 डॉलर प्रति औंस के स्तर का पोर कर गई थी। जबकि भारतीय मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सिल्वर ने 1 लाख 34,800 से ऊपर ट्रेंड किया है। भारतीय बाजार में त्यौहारी सीजन के अलावा रुपये की कमजोरी और ग्लोबल बेंचमार्क का प्रभाव भी सिल्वर की कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

सिल्वर के आगामी स्तर और संभावनाएं की बात की जाए, तो विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों के लिए खुश खबरी है कि आने वाले महीनों में सिल्वर में और मजबूती बने रहने की संभावना है, इसलिए उन्हें वर्तमान में जिस रेट मे सिल्वर मिल रहा है, उस रेट में हाथ डालना चाहिए। सिटी ग्रुप, जेपी मॉर्गन, सैक्सो बैंक जैसी वैश्विक फर्मों ने 2025 के अंत तक सिल्वर के 54 से 47 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने के अनुमान जताए। इसके हिसाब से देखें, तो सिल्वर जल्दी ही 1 लाख 50 हजार से भी ऊपर तक ट्रेंड करता दिखे, तो कोई खास बात नहीं होगी। कहते हं कि औद्योगिक क्षेत्र में सिल्वर की बढ़ती मांग, हेजिंग, और वैश्विक अनिश्चितता जैसे महत्वपूर्ण कारण, सिल्वर को और तेज होने में सपोर्ट कर रहे हैं, जिससे आने वाली कुछ ही अवधि में सिल्वर की कीमतें और बढ़ सकती हैं, जो हाल में 1 लाख 35 हजार के पार ट्रेडिंग कर रही हैं। सिल्वर में निवेश के लिहाज से, गिरावट का इंतजार कर रहे लोगों के लिए सिल्वर के वर्तमान आसार, हतोत्साहित करने वाले हो सकते हैं, क्योंकि सिल्वर के हाई लेवल पर होने से थोड़ा सा उतार-चढ़ाव भले ही रहे, लेकिन अंततः इसके आने वाले कुछ ही दिनों में 1 लाख 60 हजार रुपए प्रति किलो पर पहुंचने के पक्के आसार है। आगामी वर्षों में ग्रीन एनर्जी, ईवी ट्रेड, सौर पैनल तेज ग्रोथ की वजह से डिमांड बनी रहेगी और सिल्वर की कीमतें रिकॉर्ड स्तर छू सकती हैं।

इंटरनेशनल मार्केट के जानकारों की राय में, सन 2025 का साल सिल्वर के लिए ऐतिहासिक रहा है। सिल्वर के रेट्स अपना लगातार नया हाई बनाने के उच्चतम स्तर पर चल रहे हैं। इसकी मांग औद्योगिक क्षेत्र से सबसे ज्यादा चल रही है। इसके सामने सिल्वर की सप्लाई लगातार कम होती जा रही है। वर्तमान संकेतों के आधार पर इंटरनेशनल मार्केट के जानकारों को पूरी विश्वास है कि सिल्वर भविष्य में भी आकर्षक निवेश विकल्प बना रहेगा। उनका मानना है कि सिल्वर की

कल्पेश जैन
शुभम सिल्वर

हर तरफ तेजी से बढ़ती महंगाई के दौर में, सिल्वर जहां हर रोज नया हाई लेवल बना रहा है, तो साथ ही यह नई संभावनाओं के दरवाजे भी खोल रहा हैं। कभी कभार अचानक नीचे उतरने की संभावनाओं के बीच सिल्वर की तेज बढ़ती कीमतों ने यह भी साबित किया है कि यह गोल्ड से भी ज्यादा रिटर्न देने वाले निवेश साबित हुआ है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सिल्वर की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण और बहुआयामी होती जा रही है। सिल्वर, अब केवल पारंपरिक ज्वेलरी या निवेश की संपत्ति तक सीमित नहीं, बल्कि तकनीक, औद्योगिक, ऊर्जा, और आर्थिक बदलावों के साथ गहराई से जुड़ गया है। आने वाले वर्षों में सिल्वर गोल्ड से भी तेज दौड़ता दिखेगा।

कीमतों में मजबूती और तेज बढ़ोतरी के पूरे आसार हैं। हालांकि निवेशकों को सिल्वर बीच - बीच में थोड़ा सा झटका देता रहेगा, क्योंकि यह आम तौर पर काफी उतार-चढ़ाव वाली संपत्ति मानी जाती है। ग्लोबल आर्थिक अनिश्चितता, सप्लाई गिरावट, डॉलर में कमजोरी, और गोल्ड की तेजी जैसे महत्वपूर्ण कारक, सिल्वर के रेट्स को सपोर्ट देने वाले तो हैं ही, इसको और रफ्तार देने वाले मूल कारण बन रहे हैं। वैश्विक स्तर पर सिल्वर के उत्पादन और इसकी हर तरफ खपत के बढ़ते आंकड़ों पर एक नजर डालना भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि सिल्वर के हर सेग्मेंट्स इसके निवेश, औद्योगिक डिमांड और राष्ट्रीय स्तर की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं। दम देख रहे हैं कि सन 2024 में वैश्विक स्तर पर सिल्वर खनन उत्पादन लगभग 25 हजार मीट्रिक टन दर्ज हुआ था, जो सन 2023 के मुकाबले 0.9 फीसदी की वृद्धि माना जा रहा था। लेकिन खपत के आंकड़े देखें, तो सिल्वर की खपत 2023 के मुकाबले 2024 में 24 फीसदी बढ़ी। इसका मतलब साफ है कि खपत के मुकाबले सिल्वर में 23 फीसदी की कमी रही, क्योंकि उत्पादन में बढ़ोतरी तो 1 फीसदी से भी कम ही रही। मैक्सिको पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। साल 2023 में वहां लगभग 6 हजार 200 टन सिल्वर का उत्पादन हुआ, जो विश्व के कुल उत्पादन का 20 फीसदी से भी अधिक है। जबकि भारत में 2024 में सिल् वर का उत्पादन करीब 700-750 मीट्रिक टन रहा। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी सिल्वर उत्पादक कंपनी है, जो देश का लगभग 95 फीसदी सिल्वर उत्पादन करती है। हमारे देश में राजस्थान को भारत का सबसे बड़ा सिल्वर उत्पादक राज्य माना जाता है, जहां 2024 में 43 टन, मतलब, भारतीय सिल्वर के कुल उत्पादन का 56.6 फीसदी उत्पादन रहा। उसके बाद आंध्र प्रदेश 11.5 टन, तेलंगाना 6 टन, तथा गुजरात व मध्य प्रदेश आदि में भी सिल्वर का उत्पादन होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अगले 2 वर्षों में भारत की सबसे बड़ी सिल्वर उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की प्रति वर्ष 1000 टन सिल्वर उत्पादन की योजना है। वैसे तो सिल्वर के उत्पादक देशों में, चीन, पेरू, चिली, रूस, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, और अमेरिका आदि देश भी हैं। लेकिन इन देशों में में चीन का औद्योगिक उपयोग बहुत ऊंचा है। और खपत की बात करें, तो सिल्वर की खपत में भारत, चीन, अमेरिका जैसे देश अग्रणी हैं। भारत में सिल्वर की खपत दुनिया भर में सबसे अधिक है, लेकिन सिल्वर उत्पादन के मामले में हमारा देश वैश्विक स्तर से काफी पीछे है। हमारा देश ज्यादातर सिल्वर इंपोर्ट के जरिए अपनी जरूरतें पूरी करता है। भारत में तेजी से औद्योगिक विस्तार हो रहा है। खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, फोटोवोल्टिक, सोलार एनर्जी, मेडिकल, ज्वेलरी, निवेश, और ग्रीन टेक्नोलॉजी में सिल्वर की मांग सबसे ऊंची है। एसे में सिल्वर के रेट्स घटने की तो कोई संभावना ही नहीं है।

विकास जैन
सिल्वेरियो अर्टेसा प्रा. लि.

सिल्वर की कीमतें सितंबर के अंत तक भले ही 1 लाख 40 हजार के पार की अब तक की सबसे टॉप की ऊंचाई पर हों, लेकिन इसके बावजूद आने वाले दिनों में इससे ऊपर जाने की संभावनाएं साफ हैं, इसी कारण सिल्वर के खरीदारों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। सिल्वर में बढ़ोतरी के बावजूद खरीददारी की गूंज अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सुनाई दे रही है।

अमन सिंघवी
अरिहंत 925 सिल्वर

दुनिया के विभिन्न देशों द्वारा गोल्ड के साथ साथ सिल्वर की खरीदी से यह साफ है कि बाजार में सिल्वर की विश्वसनीयता और आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। बढ़ती कीमतों के बीच भी ग्राहको का यह उत्साह सिल्वर के भविष्य की मजबूती का संकेत देता है। माना जा रहा है कि आने वाले साल 2026 के अंत तक, सिल्वर 2 लाख तक भी जा सकता है।

विनय शोभावत
आनंद दर्शन सिल्वर्स

सिल्वर के रेट्स में पिछले एक वर्ष में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज हुई है। सिल्वर की लगातार बढ़ती खपत के के मुकाबले कम होते खनन के कारण ने सिल्वर की शाइनिंग लगातार निखर रही है। गोल्ड के मुकाबले निवेशकों को भी सिल्वर ज्यादा सही लग रहा है। क्योंकि इस साल सिल्वर ने कमाई देने के मामले में, गोल्ड से भी पीछे छोड़ दिया है।

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

सिल्वर एम्पोरियम द्वारा
'तरावा' ब्रांड का स्काई सिटी मॉल बोरीवली में शुभारंभ

मुंबई। भारत के अग्रणी सिल्वर वेयर हाउस और 34 वर्षों की परंपरा वाले सिल्वर एम्पोरियम ने मुंबई के बोरीवली (पूर्व) स्थित स्काय सिटी मॉल में अपने नए ब्रांड 'तरावा बाय सिल्वर एम्पोरियम' का शुभारंभ किया। यह पहल संस्थापक कांतिलाल मेहता के सपनों और राहुल मेहता की दृष्टि पर आधारित है, जिसे 'मेक इन इंडिया' सिल्वर लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में प्रस्तुत किया गया । इस ब्रांड में भारतीय कारीगरों द्वारा हाथ से बनाई गई उत्कृष्ट मंदिर के आर्टिकल्स, घरेलू बर्तन, आभूषण और प्रीमियम गिफ्टिंग आर्टिकल्स शामिल हैं।

पिछले तीन दशकों से सिल्वर एम्पोरियम ने भारतीय कारीगरों को कौशल विकास, आर्थिक सहयोग और डिज़ाइन नवाचार के जरिए सशक्त बनाने का काम किया है तथा लुप्त होती जा रही पारंपरिक रजत कला को संजोकर रखा है। अब 'तरावा' के माध्यम से कंपनी ने पहले चरण में देश के कई शहरों में स्टोर्स खोलने की योजना बनाई है, जिससे आधुनिक ग्राहकों को प्रमाणित और असली चाँदी आसानी से उपलब्ध कराई जा सके। 'तरावा' केवल एक रिटेल ब्रांड नहीं है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' और भारतीय कारीगरी को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने का हमारा संकल्प है। 34 वर्षों के अनुभव के आधार पर हम भारतीय कारीगरों को वह मंच देना चाहते हैं जिसके वे हकदार हैं, और भारत का पहला राष्ट्रीय स्तर का सिल्वर ब्रांड तैयार करना चाहते हैं, ऐसा सिल्वर एम्पोरियम के डायरेक्टर राहुल मेहता ने कहा। सिल्वर एम्पोरियम ने हमेशा हॉलमार्क की गई चांदी का समर्थन किया है और ग्राहकों का विश्वास बनाए रखा है। भविष्य में हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने की बीआईएस (BIS) पहल का कंपनी ने स्वागत किया है। सोने की बढ़ती कीमतों के कारण ग्राहकों की पसंद अब चाँदी की ओर बढ़ रही है और कंपनी को विश्वास है कि डिज़ाइन इनोवेशन और तकनीक की मदद से सिल्वर आभूषण और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स आने वाले समय में बड़ा विकास क्षेत्र साबित होंगे।

कांतिलाल मेहता राहुल मेहता

'तरावा बाय सिल्वर एम्पोरियम' आधुनिक दौर का सिल्वर ब्रांड है जिसकी जड़ें भारतीय विरासत में हैं और जिसे वैश्विक स्तर के लाइफस्टाइल ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। मंदिर की चाँदी से लेकर रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाली लक्ज़री वस्तुओं तक 'तरावा' मेक इन इंडिया की भावना का उत्सव मनाता है। पहले चरण में इस ब्रांड ने देश के अनेक शहरों में स्टोर्स खोलने का संकल्प लिया है।

सोने की कीमतें पहुंच सकती हैं 6,600 डॉलर तकःवुड

सोने की कीमतों में बीते कुछ महीनों में ताबड़तोड़ तेजी देखने को मिली है। साल 2025 में अबतक सोने के भाव 43 फीसदी तक उछल चुके हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यह बढ़ोतरी ज्यादातर 'सेफ हेवन' खरीदारी, भू-राजनीतिक तनाव, ट्रंप टैरिफ और वैश्विक सेंट्रल बैंकों की खरीदारी के चलते हुई है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के ग्लोबल हेड ऑफ इक्विटी स्ट्रैटेजी क्रिस्टोफर वुड का मानना है कि सोने में अभी और रफ्तार बाकी है। वुड का अनुमान है कि आने वाले महीनों में सोना 6,600 प्रति औंस तक जा सकता है, जो मौजूदा 3,745 प्रति औंस स्तर से 76 प्रतिशत ज्यादा है। दिसंबर 2002 में वुड ने सोने का लक्ष्य 3,400/औंस तय किया था। यह लक्ष्य 1980 में सोने के पीक 850/औंस को उस समय से अमेरिकी पर्सनल इनकम की 6.3 प्रतिशत सालाना वृद्धि के आधार पर तय किया गया था। जनवरी 2005 में इस लक्ष्य को बढ़ाकर 3,700 किया गया। सितंबर 2007 में वुड ने अनुमान लगाने का तरीका बदला और कुल पर्सनल इनकम की बजाय अमेरिकी डिस्पोजेबल इनकम पर कैपिटा को आधार बनाया। इसके बाद मार्च

2016 में सोने का अनुमान 4,200/औंस और अगस्त 2020 में 5,500/ औंस कर दिया गया।

वुड ने निवेशक के लिए अपने साप्ताहिक रिपोर्ट 'ग्रीड एंड फीयर' में कहा कि जनवरी 1980 में सोने की कीमत उस समय अमेरिकी डिस्पोजेबल इनकम पर कैपिटा (8,551) का 9.9 प्रतिशत थी। मौजूदा कीमत 66,100 पर 5.6 प्रतिशत है। अगर सोना फिर से 9.9 प्रतिशत तक पहुंचता है, तो इसकी कीमत 6,571 होगी। इसलिए 6,600/औंस का लक्ष्य मौजूदा बुल रन में वाजिब है। निवेश रणनीति के रूप में वुड ने 2002 से ही अपने ग्लोबल पोर्टफोलियो में गोल्ड बुलियन का 40त्न हिस्सा रखा है। यह न्यूनतम आवंटन कभी बदला नहीं गया। दिसंबर 2020 में सोने का वेटेज 50 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत किया गया था, जब पोर्टफोलियो में पहली बार बिटकॉइन को जगह दी गई थी।

ग्लोबल वेल्थ मैनेजमेंट फर्म जूलियस बेयर का मानना है कि वैश्विक सेंट्रल बैंक सोने की कीमतों के मौजूदा रुझान के स्क्रिप्ट राइटर बने रह सकते हैं, लेकिन अब अमेरिका से बाहर भी यह स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। उन्होंने एक हालिया नोट में कहा कि फेड से आगे देखने को तैयार निवेशकों को कई बेहतर अवसर जैसे कि ब्रिटिश पाउंड के लचीलेपन में, एशियाई सेमीकंडक्टर और ऑनलाइन प्रमुख कंपनियों में, और सोने व उसके खनन प्लांट की टाइम-टेस्टेड प्रोटेक्शन में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि लघु से मध्यम अवधि में, तकनीकी चार्ट पैटर्न के अनुसार, सोना 4,500 से 4,800 के स्तर तक पहुंच सकता है। जूलियस बेयर में कीमती धातुओं पर नजर रखने वाले विश्लेषक मेन्सुर पोसिंसी ने एक हालिया नोट में लिखा, चांदी में भी और तेजी की संभावना है, और यह 52 से 58 के बीच जा सकती है।

Reva®

By Manak Jewellers Pvt Ltd

LIGHT AS A FEATHER

NET WEIGHT: UNDER 20 GMS

CZ AND PLAIN CASTING DESIGNER JEWELLERY

OFFICES IN GUJARAT, DELHI , BANAGALORE, HYDERABAD, CHENNAI AND MUMBAI

CALL: +917977384013

Marvi
BY MANAK PROCESSORS PVT LTD
BLUE TOPAZ
AMETHYST
DIAMONDS
MARVIINDIA
The Planet Collection by Ajit Jain
Available for retail through Marvi, under
Manak Processors Pvt. Ltd.
+919167079597
contact@marviindia.com

सोने के अधिक उतार - चढ़ाव से होनेवाली

समस्याओं पर मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा सेमिनार का आयोजन

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल कालबादेवी रोड मुंबई में एक सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें गोल्ड की बढ़ती कीमतों के बीच कैसे बिजनेस किया जाए और कैसे आपसी समन्वय और एकजुट बनकर कैसे एक मजबूत और सुदृढ़ ढांचा तैयार किया जाए और रेट कटींग की प्रॉब्लम का कैसे हल किया जाए इस पर चर्चा हुई। इस सेमिनार को मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना, सेकेट्री श्रेयांश कोठारी, जी जे सी के पूर्व चेयरमैन संयम मेहरा, इब्ज़ा के सेकेट्री सुरेन्द्र मेहता ने अपने विचार रखें। हर्षल बारोत ने प्रोजेक्टर के माध्यम से गोल्ड हेजिंग के बारे में विस्तार से समझाया। इस अवसर पर जवेरी बजार के लगभग 250 ज्वेलर्स के अलावा बुलियन के डीलर्स भी उपस्थित थे।

MANISH SONI
+91 98207 76844

Ramjivanlal Soni

AMIT SONI
+91 98207 70094

A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.

84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/

WE HAVE NO OTHER BRANCHES

FREE HOME DELIVERY

NAKODA®

Pure Ghee, Edible Oils & More...

SINCE 1978

SATTVIK VERIFIED · QUALITY ASSURANCE · 100% VEGETARIAN

NATURAL KHAO...
DIL SE APNAO...®

श्रेयस की पसंद

शुद्धता, खुशबू और पोषण से भरपूर

- नाकोडा देसी घी

DAIRY SPECIAL
Pure Ghee

DAIRY TAAZA
Cow's Pure Ghee

89288 82457 / 85915 62269 / 89285 86181 / 91377 56585

GHEE AND OIL AVAILABLE IN ALL SIZES AT YOUR DOOR STEP

NAKODA TRUSTED QUALITY OVER 35 YEARS

M/s. KEWALCHAND VINODKUMAR

K.B. Products Pvt. Ltd.

Customer Care: 09819475175 | Website: www.gheetel.com | E-mail: info@gheetel.com

/nakodagheetel | An ISO 22000:2018 & HACCP Certified Company

चांदी ने 10 साल में दिया अच्छा रिटर्न कीमतों में 59.3 प्रतिशत का उछाल

साल 2025 में चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में 59.3 फीसदी बढ़कर करीब 44.55 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गईं जबकि भारत में कीमतें 1,37,040 रुपये प्रति किलोग्राम रहीं। 2016 के बाद से यह इस धातु का यह सबसे अच्छा रिटर्न है। 2025 में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने की कीमतें पिछले दिनों करीब 49 फीसदी बढ़कर 1,12,895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। आंकड़ों के अनुसार चांदी ने 2020 में भी ऐसा ही प्रदर्शन किया था। तब कीमतें एक साल पहले की तुलना में 44 फीसदी बढ़कर 67,383 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई थीं। उस साल सोने की कीमतें 27.9 फीसदी बढ़कर 50,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंची थीं। विश्लेषकों का कहना है कि चांदी को निवेश विकल्प के रूप में फिर से पारिभाषित किया गया है। 2010 से 2020 तक कमजोर बाजार मांग और उत्पादन अधिशेष के कारण कीमतों में गिरावट आई। 2021 के बाद इस धातु की बढ़ती औद्योगिक मांग के कारण परिदृश्य बदल गया। नोमूरा के एक नोट के अनुसार 2024 तक औद्योगिक मांग 68.05 करोड़ औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस रुझान के कारण कुल मांग 116.04 करोड़ औंस हो गई जबकि कुल आपूर्ति केवल 101.51 करोड़ औंस रही। विश्लेषकों ने कहा कि संरचनात्मक बदलाव तीन क्षेत्रों नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स के कारण हुआ क्योंकि चीन ने उच्च चांदी के अंश वाले एन प्रकार के सौर सेल को आक्रामक तरीके से अपनाया। नोमूरा के अनुसार चांदी की निरंतर मांग के कारण जमा भंडार में तेजी से गिरावट आई है और इसकी आपूर्ति दिसंबर 2020 में 22 महीने थी जो दिसंबर 2023 तक केवल 13 महीने रह गई है। सोने-चांदी का मौजूदा अनुपात 85 है जो चांदी के आकर्षण का एक और कारण है। यह अनुपात बताता है कि एक औंस सोना खरीदने के लिए कितनी औंस चांदी की जरूरत है। ज्यादा अनुपात का मतलब है कि सोना ज्यादा महंगा है जबकि कम अनुपात का मतलब है कि चांदी की कीमत कम है और वह बेहतर निवेश विकल्प हो सकती है। नोमूरा ने अनुमान लगाया है कि 2025 में चांदी की मांग 114.83 करोड़ औंस होगी जबकि आपूर्ति 103.06 करोड़ औंस रहेगी। नोमूरा के मुख्य निवेश अधिकारी और प्रबंधित निवेश के प्रमुख गैरेथ निकोलसन ने हाल में एक नोट में कहा, अगर उपभोग का यही पैटर्न जारी रहा तो उद्योग के अनुमानों के अनुसार 2050 तक चांदी के ज्ञात भंडार खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा, निकट भविष्य में सोने की कीमतों में सीमित वृद्धि की संभावना के कारण हम चांदी को आकर्षक मान रहे हैं, विशेष रूप से एक औद्योगिक धातु और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ बहुमूल्य धातु के रूप में सुरक्षा की दोहरी भूमिका को देखते हुए। हालांकि चांदी की कीमतें 50 डॉलर प्रति औंस के महत्वपूर्ण प्रतिरोध स्तर से ऊपर जा सकती हैं। लेकिन तकनीकी संकेतक निकट भविष्य में गिरावट का संकेत दे रहे हैं। नोमूरा ने कहा कि ये गिरावट उन निवेशकों के लिए आकर्षक खरीद स्तर हो सकते हैं जो चांदी के मजबूत फंडामेंटल आउटलुक और इसके अभूतपूर्व 45-वर्षीय कप ऐंड हैंडल स्वरूप का लाभ उठाना चाहते हैं। जूलियस बेयर में कमोडिटीज पर नजर रखने वाले विश्लेषक एम पोन्सिनी का अनुमान है कि कीमतें 52-58 डॉलर के स्तर तक पहुंच जाएंगी। चांदी के लिए चार्ट पर अगला स्पष्ट लक्ष्य 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम है, जो मौजूदा स्तर से 12 फीसदी ज्यादा है। चांदी की तेजी सिर्फ सुरक्षित निवेश की मांग के कारण नहीं है, बल्कि इसे औद्योगिक शक्ति के रूप में फिर से पारिभाषित किया जा रहा है।

VSL 925 SILVER
THE PURE CRAFT OF QUALITY

Hemant Badola
9819610210

Vardhmaan 925
Silver Jewellery LLP

at : Shop No. 2/3, Ground Floor, Johari Mall,
Opp. Aurum Mall, Zaveri Bazar, Mumbai-400 002.
Tel.: 022 61832323 / 2241 0210
Mob.: 09819610210 / 08575925925
Web.: www.vls925silver.com
Email : info@vls925silver.com | hemantbadola@yahoo.com

EVERY THING IN 92.5 SILVER

SANGAM™
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)
(Gold Jewellery Unit)

Shashwat
Ornaments
Purity. Finnese. Luxury
(Diamond Jewellery Unit)

Vaani 18
by SANGAM CHAINS N JEWELS
(18KT Gold Jewellery)

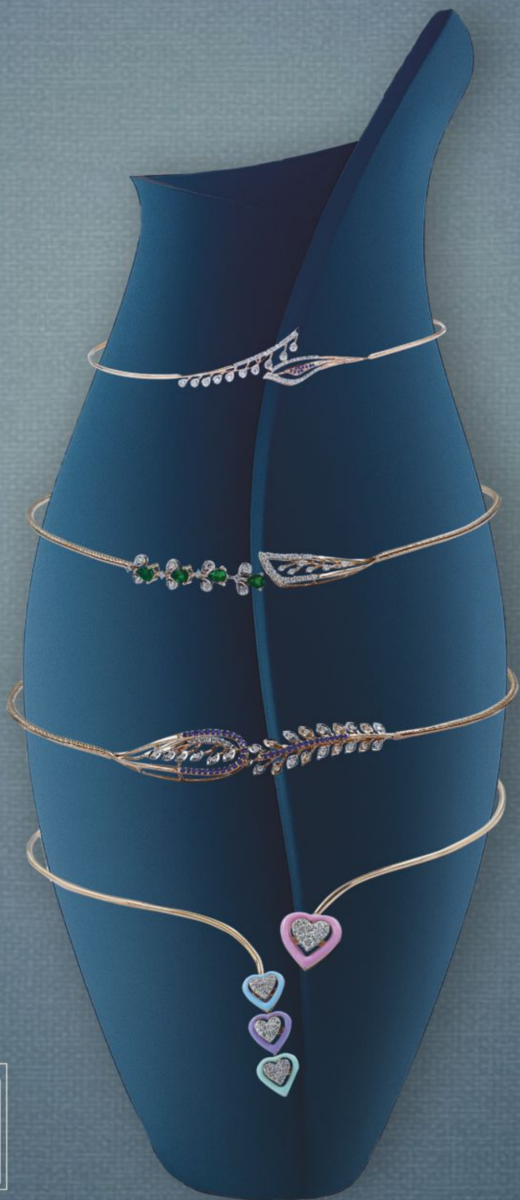

SHASHWAT ORNAMENTS
SANGAM CHAINS N JEWELS
FOLLOW US ON INSTAGRAM !

Head Office : G4 Melestar House , 2nd floor, MIDC Cross Road - A, Near Marol Bus Depot, Andheri(East), Mumbai -400093
Branches : DD Jewels Market, 4th floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp Khau Galli, Mumbai-400003
Branches : Thrissur (Kerala), BDB BKC (Mumbai)

ऑनलाइन कम कीमतों की पेशकश कर रहे ब्रांड

लक्जरी गहने बनाने वाली कंपनियां ऑनलाइन बाजार में भी दस्त दे रही हैं और स्टोर के मुकाबले कम कीमत पर पेशकश कर रही हैं।

लक्जरी गहने बनाने वाली कंपनियां अब ऑनलाइन बाजार में भी आ रही हैं और कम कीमतों वाले गहनों की पेशकश कर अधिक ग्राहकों को लुभाने की कोशिश कर रही हैं जो उनके स्टोर में मिलने वाले गहनों से सस्ते होते हैं।

अगस्त महीने में, फैशन डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी ने ई- कॉमर्स मंच टाटा क्लिक लक्जरी के साथ गठजोड़ किया मिलकर अपना डिजिटल बुटिक खोला है। इस कलेक्शन में सब्यसाची कलकत्ता के 18 कैरेट सोने के गहने हैं। 79 गहनों वाले इस कलेक्शन की शुरुआती कीमत 55,000 रुपये से लेकर 9 लाख रुपये तक है। इस ब्रांड का 'क्लासिक अशर्फी नेकलेस' लॉन्च के बाद सबसे पहले बिकने वाले गहनों में से एक था जिसकी कीमत 55,000 रुपये थी। मुखर्जी ने लॉन्च के मौके पर कहा, यह कलेक्शन उसी लगन, उसी मानक स्तर और शानदार वैल्यू के साथ बनाया गया है जिसके लिए इस ब्रांड को हमेशा से पसंद किया जाता रहा है। हमारी कीमतें आसमान छूने वाली नहीं हैं बल्कि बेहद वास्तविक कीमतें हैं।

ऑनलाइन राह को अपनाने वाला सब्यसाची कलकत्ता अकेला ब्रांड नहीं है। दि बीर्यस समूह के फॉरएवरमार्क ने पिछले हफ्ते नई दिल्ली के साउथ एक्स मार्केट में अपना पहला स्टोर खोला है और यह ब्रांड भी ऑनलाइन पेशकश कर रहा है और इसकी कीमतें ऑफलाइन गहनों से कम हैं। फॉरएवरमार्क की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और दि बीर्यस समूह में वैश्विक वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्वेता हरित ने कहा कि भारतीय गहनों के बाजार में किफायती लक्जरी गहनों की बहुत जगह है, जहां हम अपनी जगह बनाना चाहते हैं। फॉरएवरमार्क अपने आपको किफायती लग्जरी ब्रांड के तौर पर पेश कर रहा है, जिसके गहनों की कीमत 1 लाख रुपये से 1.5 लाख रुपये के बीच है और ऑनलाइन कलेक्शन 50,000 रुपये से कम में शुरू होते हैं। जानकारों का मानना है कि ऑनलाइन कम कीमत रखना ब्रांड के दायरे को बढ़ाने का अच्छा तरीका है।

बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी अभीक सिंघी कहते हैं, ऑफलाइन की तुलना में ऑनलाइन कम कीमत वाले गहनों की पेशकश युवाओं के लिए एक अच्छा मौका है, जिनके पास खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे होते हैं और जो ऑनलाइन पैसे खर्च करने के लिए तैयार रहते हैं। यह बात टाटा क्लिक लक्जरी के लिए खास तौर पर सच है, जहां बुल्गारी जैसे ब्रांड ने भी अपने ऑनलाइन स्टोर खोले हैं।

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight
TOYOTA
Where Awesome drives meet hybrid innovation!
URBAN CRUISER HYRYDER
HYBRID ELECTRIC SUV
URBAN CRUISER
HYRYDER
8-WAY POWER ADJUSTABLE DRIVER SEAT
EPB (ELECTRONIC PARKING BRAKE)
ALL WHEEL DRIVE WITH 6AT & DRIVE MODE SELECT
STANDARD 6 AIRBAGS
REAR SUNSHADE
VENTILATED SEATS
TPMS (TYRE PRESSURE MONITORING SYSTEM)
Sales - Kurla | Bandra | Lower Parel | Breach Candy | Badlapur
022 4243 1999 | +91 98197 97976
TOYOTA
TRUST
Buy | Sell | Exchange - Used cars

The New House
SANGAM HOUSE
awaits to welcome you

Innovation in every creation

SANGAM
HOUSE OF JEWELS
Raman Solanki Group

SANGAM HOUSE OF JEWELS LLP
Swarn House, 3rd Floor, 17/19 Dhanji Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, 400003

+91 99200 33377

Follow us on

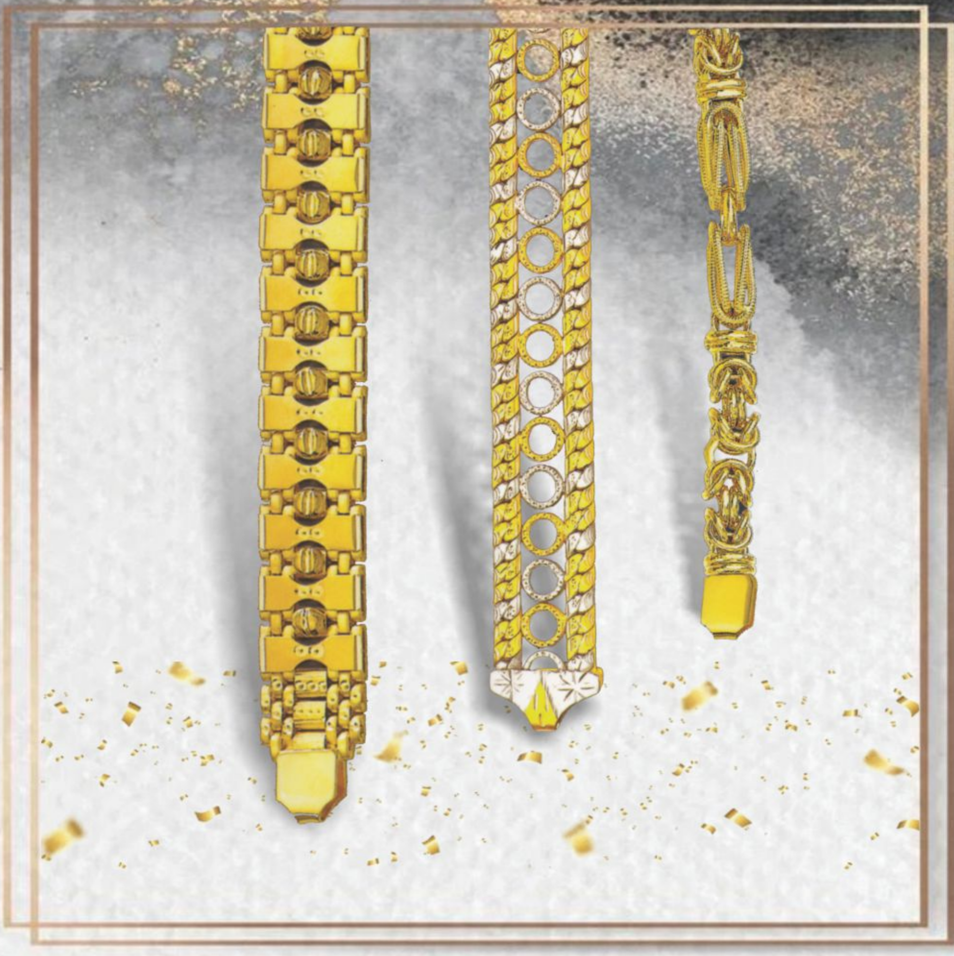

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687

Shree
vardhaman
JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :
ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

BRIDES
Of
SHANKESH
Shankesh®
Jewellers Ltd.
Crafting Timeless
Jewellery with Passion
101, Mumbadevi Chambers, 3rd Floor, Office No. 12, Zaveri Bazaar, Mumbai - 400002
Tel - +91 22 2347 0009 / 08 E-mail - shankjewel@gmail.com / info@shankeshjewellers.com

आभूषण टाइम्स सम्मानित

आभूषण टाइम्स हिन्दी मैगजीन को रत्न एवं आभूषण उद्योग में उत्कृष्ट योगदान और निरंतर समर्थन के लिए जीजेएस 2025 जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर मुंबई में जीजेसी द्वारा प्रतिष्ठित मीडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जीजेएस के संयोजक एवं जीजेसी के पूर्व चेयरमैन संयम मेहरा, और चेयरमैन नितिन खंडेलवाल ने आभूषण टाइम्स के संपादक राकेश लोढ़ा को दिया। इस सम्मान के लिए पूरी जीजेसी टीम का हार्दिक धन्यवाद।

GJS 2025 Photo Flash

Swarn Shilp Chains

Royal Chain Pvt. Ltd.

Shringar House of Mangalsutra

Shine Shilpi

Sky Chains

Nakoda Jewels

BD Bangles

Shashwat Ornaments

S.M. Gold

V Chains

Chains Corner

GJS 2025 Photo Flash

Kanakratna

Royal 925 Stertling Silver Jewellery

Mangalmani Jewellers Ltd.

M.R. Gold Pvt. Ltd.

Bhavanii Gold Pvt. Ltd.

Mangalsutram

Mehra Sons

Unique Chains & Jewels Ltd.

Trident Jewels Pvt. Ltd.

Munot Ornaments Annex LLP

R Kothari Jewellers Pvt. :Ltd.

J.P. Gold

Dhanaksh Jewels LLP

Viera CZ Jewellery

Shashwat Atelierr LLP

Shubham Motiwala & Jewellers Pvt. Ltd.

Pooja Jewellers

DL LAKHANI

Beyond Celebrations...

With Best Compliments From

- LAKHANI CATERERS
- LAKHANI TRADERS
- LAKHANI CATERING
- LAKHANI HOSPITALITY
- NITYA INC

LD Lakhani Decorator

Dewang Lakhani
9819384241

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA

Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On D LAKHANI HOSPITALITY http://dlakhanihospitality.com/

सोने-चांदी में रिकॉर्ड रिटर्न

पहली छमाही में सोने में 29.5 फीसदी व चांदी में 43.1 फीसदी का रिटर्न मिला

अमेरिका में ऊंची मुद्रास्फीति और धीमी वृद्धि को लेकर पैदा अनिश्चितताओं ने सोने-चांदी में तेजी को हवा दी है। इनके साथ-साथ अमेरिका के बढ़ते कर्ज और ट्रंप प्रशासन के आयात/निर्यात शुल्कों के कारण दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कीमती धातुओं के दामों में लगातार रिकॉर्ड तेजी का केंद्र बन गई है। पिछले दो वर्षों में सोने और चांदी की कीमतों की राह ऊपर की रही है। लेकिन चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इनमें भारी बढ़त देखी गई है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय सोने ने 22.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो कम से कम 30 वर्षों के बाद किसी पहली छमाही में दर्ज अब तक का सबसे ज्यादा रिटर्न है। इसी तरह चांदी ने 39.5 फीसदी का रिटर्न दिया है जो पिछले तीन दशकों में दूसरा सबसे अच्छा रिटर्न है। इससे पहले, कोविड महामारी के कारण ऐतिहासिक लॉकडाउन वाले वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में चांदी ने 66.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की थी।

रुपये के लिहाज से वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में सोना 29.5 फीसदी बढ़ा है जो पिछले तीन दशकों में पहली छमाही का सबसे ज्यादा रिटर्न है। चांदी ने 43.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो लॉकडाउन वर्ष (वित्त वर्ष 21) की पहली छमाही की 53 फीसदी बढ़त के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। कीमती धातुओं खासकर सोने में हालिया तेजी का मुख्य कारण अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप होने की आशंका है। रिकॉर्ड 37.5 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज का वित्तपोषण मुश्किल है और अमेरिका में ट्रंप प्रशासन

वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय सोने ने 22.1 फीसदी का रिटर्न दिया है जो कम से कम 30 वर्षों के बाद किसी पहली छमाही में दर्ज अब तक का सबसे ज्यादा रिटर्न है। इसी तरह चांदी ने 39.5 फीसदी का रिटर्न दिया है जो पिछले तीन दशकों में दूसरा सबसे अच्छा रिटर्न है। इससे पहले, कोविड महामारी के कारण ऐतिहासिक लॉकडाउन वाले वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में चांदी ने 66.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की थी।

और कांग्रेस के प्रतिनिधियों के बीच हाल में हुई बैठक में भी बंदी के मुद्दे को सुलझाने को लेकर कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। 1971 में अमेरिका में बंद की आशंकाओं के चलते निक्सन प्रशासन ने अमेरिकी डॉलर को सोने में बदलने पर रोक लगा दी थी। पिछले कुछ महीनों से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, अमेरिका में मुद्रास्फीति की आशंका, अमेरिकी फेड अधिकारियों के खिलाफ सरकार की टिप्पणियों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने कीमती धातुओं में तेजी को बढ़ावा दिया है। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक भी सोने के बड़े खरीदार रहे हैं। आम्रपाली गुजरात के निदेशक चिराग ठक्कर पिछले कुछ महीनों से चांदी की सिफारिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा, चांदी में अब जरूरत से ज्यादा खरीद हुई दिखती है। तेजी की एक और लहर इसे नई ऊंचाई पर ले जाएगी लेकिन उससे पहले इसमें गिरावट की संभावना है।

लेकिन ठक्कर ने कहा कि उद्योग और निवेशकों के बीच चांदी की उच्च मांग है। इस कारण भारत में बाजार 50 सेंट के प्रीमियम पर पहुंच गया है जबकि तत्काल डिलिवरी मिलना मुश्किल है। वैश्विक स्तर के बारे में एक प्रमुख व्यापारी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता चांदी के बड़े खरीदार हैं जो बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक है और सौर पैनल निर्माताओं और निवेशकों की मांग से इसे समर्थन मिल रहा है। चांदी की भारी मांग है। लेकिन स्थानीय स्तर पर सोने की मांग फिलहाल कमजोर है। ग्राहक सिक्के खरीद रहे हैं और पुराने जेवरों को नए आभूषणों से बदल रहे हैं। आभूषण विक्रेता दीवाली की मांग को लेकर चिंतित हैं। कमोडिटी जोखिम सलाहकार फर्म कॉमट्रेंड्ज रिसर्च के सह-संस्थापक टी ज्ञानशेखर ने कहा, अमेरिका में सरकारी शटडाउन से बचना मुश्किल होने के कारण सोने की कीमत को 4,000 डॉलर से 4, 100 डॉलर के बीच प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। वे चांदी को लेकर भी काफी आशावादी हैं, लेकिन चांदी की कीमतें और ऊपर जाने से पहले कई बार 49 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू सकती हैं। चांदी के 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। नौ महीनों का रिटर्न 45 साल में सबसे ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी से पहले कैलेंडर वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में सोने का रिटर्न 45 फीसदी है जबकि चांदी का रिटर्न 59 फीसदी है।

भारत में महंगे सोने ने छुड़ाए पसीने, चीन में छूट के बाद भी नहीं खरीद रहे गोल्ड

नई दिल्ली। इस समय सोना आसमान छू रहा है। इसकी कीमत इतनी तेजी से बढ़ रही है कि यह आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। स्थिति यह है कि सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के कुछ बड़े बाजारों में सोने की मांग इस हफ्ते कम रही। सोने की बढ़ती कीमत को काबू में रखने के लिए चीन में सोने पर छूट दी जा रही है। इस समय यह छूट पिछले नौ महीनों में सबसे ज्यादा हो गई है। स्पॉट गोल्ड की कीमत पिछले दिनों रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। ये 3,673.95 डॉलर प्रति औंस तक चली गई थी। चीन में डीलरों ने ग्लोबल बेंचमार्क स्पॉट कीमतों पर 17-24 डॉलर प्रति औंस की छूट दी। पिछले हफ्ते यह छूट 12 से 16 डॉलर थी। इसका कारण है कि लोग सस्ती दर पर सोना खरीदें और इसकी मांग बनी रहे। बावजूद इसके मांग में तेजी नहीं आई है।

एक स्वतंत्र विश्लेषक रॉस नॉर्मन ने कहा कि सोने की लगभग रिकॉर्ड कीमतें चीन में सोने की मांग

पर भारी पड़ रही हैं, खासकर गहनों की मांग पर। उन्होंने आगे कहा कि शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज में फिजिकल गोल्ड होल्डिंग्स लगातार बढ़ रही हैं और अब 50 मीट्रिक टन से अधिक हो गई हैं। शंघाई गोल्ड एक्सचेंज पर ट्रेडिंग वॉल्यूम भी चार महीने के उच्च स्तर पर है। इसका मतलब है कि लोग सोना खरीद तो रहे हैं, लेकिन गहने कम और निवेश के तौर पर ज्यादा। वहीं दूसरी ओर चीन के सेंट्रल बैंक ने अगस्त में लगातार 10वें महीने सोने की खरीदारी जारी रखी।

भारत में सोने की घरेलू कीमतें पिछले दिनों 1 लाख 40 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास थी। फिर आगे की शुरुआत में ये 1 लाख 50 हजार रुपये तक पहुंच गई थीं, जो एक रिकॉर्ड है।

डीलरों ने आधिकारिक घरेलू कीमतों पर 6 डॉलर की छूट और 2 डॉलर का प्रीमियम दिया। इसमें 6 प्रतिशत इम्पोर्ट और 3 प्रतिशत सेल्स लेवी शामिल हैं। पिछले हफ्ते ये छूट 12 डॉलर तक थी। इसका मतलब है कि भारत में सोना थोड़ा महंगा हो गया है। दिल्ली के एक ज्वेलर ने कहा कि रिटेल खरीदार सोना खरीदना चाहते हैं लेकिन कीमतें ज्यादा होने से वह अभी खरीदारी नहीं कर रहे हैं। वे कीमतें कम होने का इंतजार कर रहे हैं। मुंबई के एक प्राइवेट बैंक के डीलर ने कहा कि ज्वेलर फेस्टिव सीजन के लिए स्टॉक करना चाहते हैं, लेकिन कीमतें बढ़ने के साथ, उन्हें यकीन नहीं है कि रिटेल मांग कितनी मजबूत होगी।

carron
ready made garments
Styled to steal the spotlight
Carron Clothing
Kalbadevi | Kemps Corner
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

ROYAL CHAIN
PRIVATE LIMITED

#HameshaKeLiyeRoyal

1st Floor, Royal House, Khara Kuwa, 127/129, Shaikh Menon Street,
Zaveri Bazaar, Mumbai, Maharashtra - 400 002
Tel : 022 2311 9999, Website : www.royalchains.com

SAMRUDDHI
JEWELCRAFT
Crafting Happiness
"The sparkle of Gold,
the Magic of Jewellery."
samruddhijewelcraft@gmail.com
Dinesh Jain +91 9320670627 |
Nikhil Jain +91 9819603187
A/1402,Aaditya Pearl, Ramwadi,
Kalbadevi Road, Mumbai- 400002

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by **Choksi Vimal® Bullion LLP** *Since 1949*

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

If undelivered Return to : 407, Kalbadevi Road, Daulat Bhavan, Office No. 203, 2nd Floor, Mumbai-400 002